आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

● मूल्य » ₹ 5 ● वर्ष-07 ● अंक » 83 ● मुद्रण तारीख » 1 अक्टूबर-2018 ● कुल पृष्ठ » 36

52 दिव्यांग व निर्धन जोड़ों को मिली सौगात

नारायण सेवा संस्थान की ओर से 31वां भव्य विशाल निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह - देखें पृष्ठ-14

सेवा परमो धर्म (ट्रस्ट)

'अपना-घर' आश्रय अपनत्व का

ऐसे अबोध, असहाय, निराश्रित बच्चों के जीवन को संवारने के संकल्प के साथ ट्रस्ट द्वारा ''अपना-घर'' का निर्माण किया गया। जहां स्नेह के आश्रय, संस्कारों के सिंचन के साथ निराश्रित बच्चों को 18 वर्ष की आयु तक ट्रस्ट द्वारा आवश्यकता की वस्तुएं, शिक्षण सामग्री तथा आवास की निःशुल्क सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। पारिवारिक परिवेश जैसे वातावरण में खिलते इन नन्हें-मुन्नें मासूमों के चेहरों को देखकर आपका मन भी करूणा, स्नेह और दया से भर उठेगा।

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

09929777773

www.spdtrust.org

सेवा सौभाग्य

1 अक्टूबर, 2018

वर्ष 07 अंक 83 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 36

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल

सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल

डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

संपर्क (कार्यालय)

Sewa Parmo Dharm

MAKE GIVING YOUR HABIT

सेवा परमो धर्म ट्रस्ट

हिरण मगरी, सेक्टर-4

उदयपुर (राज.)-313002

फोन नं. : 0294-6655555

फेक्स नं. : 0294-6655570

मो नं. : 09929777773

Web » www.spdtrust.org

E-mail » info@spdtrust.org

CONTENTS

इस माह में

पाठकों हेतु

संयम — आगे बढ़ना है तो पाएं गुस्से पर काबू

05

अन्य स्तंभ

- कितना खतरनाक है ये 06
- कन्या पूजन का पुण्य 07
- करें दूसरों की भावनाओं की कद्र 08
- ब्लैक बेल्ट 09
- बच्चों की खातिर मुस्कुराना 10

परिणय — यादगार लम्हों में बंधे जीवन की डोर से

14

- पोलियो को हरा, बढ़ा सलमानी 12
- दृष्टिबाधित दीपक का सपना साकार 13
- कुछ जोड़े ऐसे भी 19
- बाढ़ पीड़ितों में नारायण सेवा 19
- आत्मतत्व को जाने, वही परमात्मा 20
- जजों ने देखी नारायण सेवा 21

विविध — श्रद्धा से मनाई जन्माष्टमी

22

- भारत में असहायों को सहायता 23
- कपासनः नानी बाई रो मायरो 24
- दानवीर भामाशाहों का आभार 27
- पैरा स्वीमिंग स्पोर्ट्स.... अपील 27
- संस्थान को दान 28
- गुरूकुल विद्यालय सहयोग 30

अपनों से अपनी बात

पू. कैलाश 'मानव'

हर पल उत्सव

प्रकृति का नियम है कि हमारे द्वारा आज की गई सेवा ही कल हमारे काम आएगी। समय यूँ ही व्यर्थ नहीं जाने दें बल्कि इसका उपयोग जरूरतमंदों की सेवा में लगायें।

ईश्वर का दिया हुआ हर पल उत्सव और उल्लास का समय है। यह समय यूँ ही व्यर्थ नहीं जाने दें बल्कि इसका उपयोग जरूरतमंदों की सेवा में लगाना चाहिए। अपने-पराये की भावना से ऊपर उठकर ही सेवा की जा सकती है। यह प्रकृति का नियम है कि हमारे द्वारा आज की गई सेवा ही कल हमारे काम आएगी।

यह घटना न्यूयॉर्क शहर की है। एक बूढ़ा व्यक्ति सड़क पर गिर पड़ा और घायल हो गया। थोड़ी देर बाद एम्बुलेंस आई और उसे अस्पताल ले गई। रास्ते में नर्स ने बूढ़े के वस्त्रों को टटोला तो एक जेब में पर्स मिला। नर्स ने पर्स में खोजबीन की तो बूढ़े के बेटे का नाम-पता पाया। वह बेटा उसी शहर में समुद्री सेना में नौकरी करता था। बेटे को पिता की अवस्था के बारे में संदेश भिजवाया गया। एक जवान सैनिक तुरंत अस्पताल पहुँच गया। नर्स ने बूढ़े को बताया कि उसका बेटा उससे मिलने आया है तो बूढ़े ने अपने बेटे को छूने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया तभी उस नवयुवक ने बूढ़े के हाथ को गर्मजोशी से थाम लिया। वह नवयुवक बार-बार बूढ़े को गले लगा रहा था, पूरी रात उसके पास ही बैठा रहा तथा लगातार उसकी सेवा करता रहा। कई बार नर्स ने उस युवक को आराम करने को कहा परंतु पूरे समय वह बूढ़े की तीमारदारी करता रहा। सुबह उस बूढ़े की मृत्यु हो गई। उस नवयुवक ने नर्स से कहा- इनके बेटे का हाल ही में स्थानान्तरण हो गया है। नवयुवक की बात सुनकर नर्स अचम्भित हो गई और उसने नवयुवक से पूछा-तो क्या यह आपके पिताजी नहीं थे? सैनिक ने उत्तर दिया-नहीं परंतु मैंने यह महसूस किया कि इन्हें तत्काल बेटे की जरूरत थी जो उनके पास रहकर उनकी सेवा करे और उन्हें दिलासा दे सके।

प्रेरक प्रसंग

'सेवक' प्रशान्त भैया

काम में विवेक ज़रूरी

हमें विवेकपूर्ण तरीके से काम करना चाहिए जिससे हमें नुकसान ना हो अथवा ना के बराबर हो। विवेकपूर्ण तरीके से किया गया काम सदैव अच्छा ही होता है।

हमारे काम का तरीका इस प्रकार होना चाहिए जिससे समय और संसाधन दोनों की ही बचत हो। हमें विवेक से काम करना चाहिए जिससे नुकसान ना हो। विवेकपूर्ण तरीके से किया गया काम सदैव अच्छा होता है। एक युवक सड़क के किनारे-किनारे जा रहा था। उसने देखा कि सड़क की दूसरी ओर एक मज़दूर दीवार पर पुताई का काम कर रहा था। उस व्यक्ति को सड़क पार करनी थी। सड़क पर वाहनों का आवागमन अत्यधिक था, अतः वह सड़क के किनारे खड़े रह कर आवागमन कम होने का इन्तज़ार करने लगा। साथ ही उसने देखा कि मज़दूर के सफेदी करने के तरीके से श्रम, समय और सामान की बर्बादी हो रही है। आवागमन कम होने पर वह मज़दूर के पास पहुँचा और पूछा - मित्र! कम समय और सामान से अच्छी सफेदी की तरक़ीब मुझसे सीखना चाहोगे? मज़दूर बोला- मैं अवश्य ही वह तरीका आपसे सीखना चाहूँगा। इस पर व्यक्ति ने अपने कमीज़ की बाँहें ऊपर चढ़ा ली और हाथ में ब्रश, सफेदी का सामान लेकर अपने काम में जुट गया। कुछ समय में उसने अपनी बात सही साबित कर दी। उसके तरीके से काफ़ी सामान और समय बच गया। यह देखकर मज़दूर बोला- आज से मैं वैसे ही काम करूँगा जैसे आपने मुझे सिखाया। उस जगह का मालिक यह सब ऊपर खड़ा देख रहा था। वह नीचे आया और उस व्यक्ति के हाथ में इनाम की राशि थमाने लगा। इस पर व्यक्ति ने कहा- इनाम और महनताने का हकदार मैं नहीं अपितु मज़दूर है। सारा काम तो इसी ने किया है। मैंने तो इसे सिर्फ काम का तरीका सिखाया है। अतः यह राशि आप इसे ही दें। वह व्यक्ति आगे चलकर महान विचारक कार्ल मार्क्स के रूप में जाना गया।

संयम

आगे बढ़ना है तो पाएं गुस्से पर काबू

गुस्सा प्राकृतिक भावनाओं को बाहर निकालने का एक साधन है पर अधिक गुस्सा दूसरों को हमसे दूर तो कर ही देता है और स्वयं को भी कितना नुकसान पहुंचाता है, इसके बारे में हम नहीं जान पाते।

लगातार क्रोध के कारण संबंध बिगड़ने लगते हैं जिससे छवि खराब होती है। काम बिगड़ते हैं और कार्यक्षमता पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। कुछ लोग स्वभाव से क्रोधी होते हैं। सोचते बाद में हैं पहले रिएक्ट करते हैं, कुछ परिस्थितियों के सामने अपने मन मुताबिक कुछ नहीं कर पाते तो उन्हें क्रोध आता है। कुछ लोग दूसरों को आगे बढ़ता देख मन ही मन ईर्ष्या करते हैं और स्वभाव क्रोधी हो जाता है। कई बार हालात ऐसे हो जाते हैं कि व्यक्ति आपा खो बैठता है।

● गुस्से को निकालने के तरीके

क्रोध की अभिव्यक्ति के कई तरीके हैं, जैसे-गुस्से को मन में दबा लेना, एक दम भड़क कर गुस्सा निकालना या गुस्से को किसी रुप में स्थानांतरित करना। पहले प्रकार के गुस्से में तो सामने वाले व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचता पर आपके मन में उसके प्रति नफरत होती रहती है और आप मन ही मन उसे दबाते रहते हैं जबकि सामने वाला जानता ही नहीं कि आप ऐसा व्यवहार क्यों कर रहे हैं। कभी आप इसलिए भी गुस्सा पी जाते हैं क्योंकि गुस्सा दिलाने वाला आपका अधिकारी या परिवार का कोई बुजुर्ग है। आप उसके सामने गुस्से जैसी हरकत नहीं कर सकते । मन में गुस्सा दबाने वाले लोग बाद में तनाव में रहते हैं और डिप्रेस हो जाते हैं।

● कम सहनशील

गुस्सा करने वाले लोग अक्सर कम सहनशील होते हैं। बहुत जल्द ही इरीटेट हो जाते हैं, थोड़ी सी परेशानी में परेशान हो जाते हैं चाहे वह ट्रैफिक जाम हो, लाइट चली जाए या या कोई इलैक्ट्रोनिक गैजेट् तब खराब हो जाए जब उसकी आवश्यकता हो। ऐसे लोग जीवन में उच्च महत्वकांक्षी होते हैं, हर काम में परफेक्ट होते हैं, ऊंची अपेक्षाएं रखने वाले होते हैं। लेकिन कई बार अपना और सामने वाले का नुकसान भी कर बैठते हैं।

ऐसे काबू करें

● अपनी ऊर्जा को पॉजिटिव खर्च करें जैसे-खेलकर, व्यायाम करके और अपनी रुचियों को आगे बढ़ाकर ।

● व्यायाम के साथ प्रातः10 मिनट ध्यान भी करें। इससे नकारात्मक सोच बाहर निकलती है और सकारात्मक सोच अंदर आती है। जैसे ही किसी बात पर गुस्सा आये, सोचें कि क्या यह मेरे बस में है, नहीं तो फिर गुस्सा क्यों। इसी भाव से सोचें सब ठीक हो जाएगा। कुछ ही देर में आप शांत हो जायेंगे।

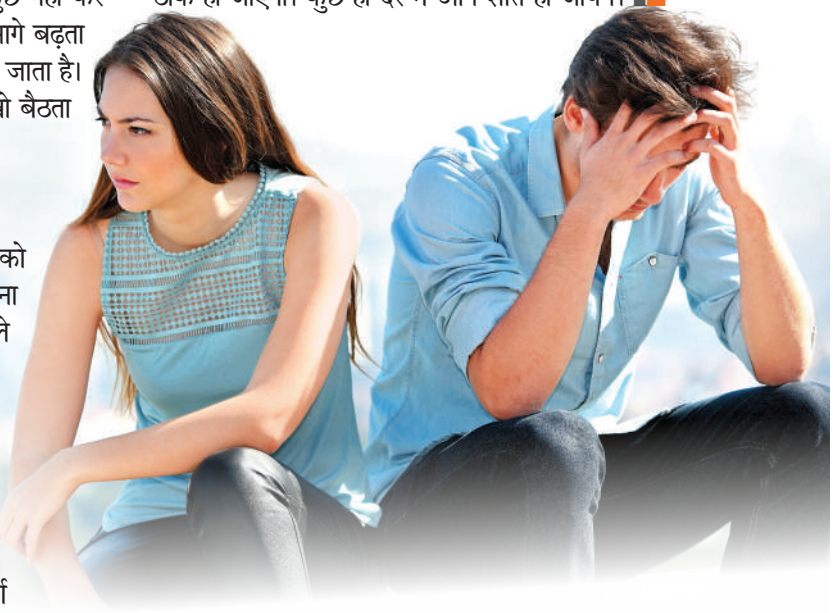

नींव के पत्थर

जन्म : 2 अक्टूबर 1904
निधन : 30 जनवरी 1966

लाल बहादुर शास्त्री हंसमुख और मिलनसार स्वभाव के थे, लेकिन जब वे लोकसेवा मंडल के सदस्य बने तो बहुत ज्यादा संकोची हो गये। वह कतई नहीं चाहते थे कि उनका नाम अखबारों में छपे और लोग उनकी प्रशंसा करें। एक बार उनके मित्र ने उनसे पूछा कि 'आपको अखबारों में नाम छपवाने से परहेज क्यों है?' शास्त्री जी कुछ पल सोचकर बोले, 'लाला लाजपतराय ने मुझे लोकसेवा मंडल के कार्य की दीक्षा देते हुए कहा था-लालबहादुर! ताजमहल सारी दुनिया देखती है और सराहती है। ऊपर का पत्थर संगमरमर है जो लोगों को आकर्षित करता है। दूसरा पत्थर ताजमहल की नींव में लगा है जो सदा अंधेरे में रहता है लेकिन ताजमहल की चमक और खूबसूरती उसी पर टिकी है।' लालाजी के ये शब्द मुझे हमेशा याद रहते हैं और मैं नीव का पत्थर ही बने रहना चाहता हूं।

प्रकाश प्रदूषण

कितना खतरनाक है ये...

कोई भी कार्य और अधिक सक्षम रूप से करने के लिए दिन में सूर्य की पर्याप्त प्राकृतिक रौशनी होती है। लेकिन सूर्य के ढल जाने के बाद भी हमारे कार्य करने की क्षमता को बरकरार रखने के लिए हमें कृत्रिम रोशनी की जरूरत होती है। लेकिन क्या आपको पता है कि ये आर्टिफिशियल लाइट हमारे वातावरण में प्रकाश प्रदूषण का बड़ा और एकमात्र कारण है, जो कि वायु और जल प्रदूषण जितना ही खतरनाक साबित होता है। इस प्रदूषण के बारे में बहुत ही कम लोग जानते हैं।

वर्ष 2016 में 'साइंस एडवांस' में ग्लोबल लाइट पोल्यूशन पर जारी एक रिर्पोट के मुताबिक दुनिया की 80 प्रतिशत आबांदी प्रकाश से प्रदूषित आसमान के नीचे रहती है। टक्सन एरिजोना स्थित इंटरनेशनल डार्क-स्काई एसोशियन के मुताबिक वर्ष 1994 में लास एंजिलिस में आए भूकंप के बाद दूसरे शहर की बिजली बाधित हो गई थी, जिसके बाद लोगों ने रात को आसमान में बड़े चमकीले बादल के देखने की बात कही। दरअसल ये लास एंजिलिस के प्रकाश प्रदूषण से खत्म हुई आकाशगंगा थी। इससे आप प्रकाश प्रदूषण के नुकसान के बारे में अंदाजा लगा सकते हैं।

» बीमारियों का खतरा

आर्टिफिशियल लाइट मनुष्य के 24 घंटे में सोने और जागने की प्रक्रिया को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है। जिससे हमारे शरीर में हार्मोन के उत्पादन, कोशिकाओं के विनियमन और अन्य जैविक गतिविधियों को नुकसान पहुंचता है। इसकी वजह से अनिद्रा, अवसाद, हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा और स्तन और प्रोस्टेट कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं।

» अनिद्रा

रात को स्मार्टफोन और गैजेट्स का इस्तेमाल करने से उनसे निकलने वाली रोशनी आपके शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का उत्पादन बाधित करती है। जो कि आपके सोने और जागने की प्रक्रिया के लिए जिम्मेदार होता है। मनोवैज्ञानिकों की एक रपट के अनुसार प्रिंटेड चीजों की जगह स्मार्टफोन या गैजट्स का इस्तेमाल करने वाले लोगों को सामान्यतः आधा घंटा देरी से नींद आती है।

» अवसाद

आर्टिफिशल लाइट में ज्यादा देर तक रहने से शरीर में तनाव बढ़ाने वाले हार्मोन का उत्पादन बढ़ता है, जो कि धीरे-धीरे अवसाद का रूप ले लेता है। एक रिपोर्ट के अनुसार आर्टिफिशल लाइट में मौजूद नीली तरंग आंखो के रेटीना में मौजूद विषेष कोशिका को सक्रिय करती है, जिससे दिमाग के केंद्र जो कि व्यवहार, याददाश्त और सीखने की क्षमता के लिए जिम्मेदार होता है को प्रभावित करती है।

Do's Don'ts

तीन नियम

01 जीवन में कुछ भी स्थायी नहीं है। यह जानते हुए भी हम हर कीमत पर खुद को सुरक्षित कर लेना चाहते हैं। कई बार सुरक्षा का यह एहसास इतना ज्यादा होता है कि हम जरा से बदलाव से डर जाते हैं। अपने सुरक्षित घेरे से बाहर कदम ही नहीं निकाल पाते। बधिर व दृष्टिहीन स्नातक लेखिका हेलन केलर कहती हैं, सुरक्षा एक अंधविश्वास ही है। जीवन या तो एक साहसिक रोमांच है या फिर कुछ भी नहीं।

02 सब चाहते हैं कि उनके आसपास वाले उन्हें सुनें और जैसा वह कह रहे हैं, वैसा ही करें। पर क्या ऐसा हो पाता है? ज्यादातर यही कहते हुए मिलते हैं कि डराए-धमकाए बिना काम ही नहीं होता। नतीजा, कहने और सुनने वाले के बीच दूरी बनी रहती है। मैनेजमेंट गुरु ब्रायन टेऊसी कहते हैं, किसी भी क्षेत्र में प्रबंधन का एक ही अचूक नियम है। दूसरों से उसी तरह काम करवाएं, जिस तरह आप चाहते हैं कि दूसरे आप से काम करवाएं।

03 ये हम पर निर्भर है कि हम चाहें तो बिखर जाएं या पहले से बेहतर बन जाएं। हाथ में आए मौके को लपक लें या फिर उसे दूसरों के हाथों में जाने दें। आप बुरी किस्मत कहकर खुद को दिलासा भी देते हैं। लेकिन, सच यही है कि यह भाग्य पर नहीं, आप पर निर्भर करता है। आप वही बन जाते हैं, जो आप चुनते हैं। लेखक स्टीफन कोवे कहते हैं, मैं अपने हालात से नहीं, फैसलों से बना हूं।

कन्या पूजन का पुण्य

नवरात्र में कन्या पूजन का बड़ा महत्व है। सच तो यह है कि छोटी बालिकाओं में देवी दुर्गा का रूप देखने के कारण श्रद्धालु उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। हमारे धर्मग्रन्थों में कन्या पूजन को नवरात्र-व्रत का अनिवार्य अंग बताया गया है। ऐसा माना जाता है कि दो से दस वर्ष तक की कन्या देवी के शक्ति स्वरूप की प्रतीक होती है। हिंदू धर्म में दो वर्ष की कन्या को कुमारी कहा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इसके पूजन से दुःख और दरिद्रता समाप्त हो जाती है। तीन वर्ष की कन्या त्रिमूर्ति मानी जाती है। त्रिमूर्ति के पूजन से धन-धान्य का आगमन और सम्पूर्ण परिवार का कल्याण होता है। चार वर्ष की कन्या कल्याणी के नाम से सम्बोधित की जाती है। कल्याणी की पूजा से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। पॉच वर्ष की कन्या रोहिणी कही जाती है। रोहिणी के पूजन से व्यक्ति रोग-मुक्त होता है। छः वर्ष की कन्या कालिका की अर्चना से विद्या, विजय, राजयोग की प्राप्ति होती है। सात वर्ष की कन्या चण्डिका के पूजन से ऐश्वर्य मिलता है। आठ वर्ष की कन्या शाम्भवी की पूजा से वाद-विवाद में विजय तथा लोकप्रियता प्राप्त होती है। नौ वर्ष की कन्या दुर्गा की अर्चना से शत्रु का संहार होता है तथा असाध्य कार्य सिद्ध होते हैं। दस वर्ष की कन्या सुभद्रा कही जाती है। सुभद्रा के पूजन से मनोरथ पूर्ण होता है तथा लोक-परलोक में सब सुख प्राप्त होते हैं। तंत्रशास्त्र के अनुसार, यदि संभव हो, तो साधक को नवरात्र में पहले दिन एक कन्या, दूसरे दिन दो, तीसरे दिन तीन, चौथे दिन चार, पॉचवे दिन पॉच कन्या, छठे दिन छ, सातवें दिन सात, आठवें दिन आठ तथा नवें दिन नौ कन्याओं का पूजन करना चाहिए। इससे मां दुर्गा प्रसन्न होकर अपने भक्तों की अभिलाषा पूर्ण करती हैं। यदि भक्तों के लिए यह संभव न हो, तो वे नवरात्र की अष्टमी अथवा नवमी के दिन अपनी सामर्थ्य के अनुसार, कन्या-पूजन करके भी देवी का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं। देवी के शक्तिपीठों में भी कन्याओं की नित्य पूजा होती है। शक्ति के आराधकों के लिए कन्या ही साक्षात माता के समान होती है। देवी की स्तुति करते हुए कहा गया है-

या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

जिस भारतवर्ष में कन्या को देवी के रूप में पूजा जाता है, वहां आज सर्वाधिक अपराध कन्याओं के प्रति ही हो रहे हैं। वास्तव में जो समाज कन्याओं को संरक्षण, समुचित सम्मान और पुत्रों के बराबर स्थान नहीं दे सकता, उसे कन्या-पूजन का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। जब तक हम कन्याओं को यथार्थ में महाशक्ति यानि देवी का प्रसाद नहीं मानेंगे, तब तक कन्या-पूजन नितान्त ढोंग ही रहेगा। सच तो यह है कि शास्त्रों में कन्या-पूजन का विधान समाज में उसकी महत्ता को स्थापित करने के लिये ही बनाया गया है।

संवेदनशीलता

करें दूसरों की भावनाओं की कद्र

संवेदनशील एक बेहतरीन और अनोखी चीज है। कभी-कभी संवेदनशील लोगों को यह अहसास ही नहीं होता कि वे कितने खुशनसीब हैं। अगर आप संवेदनशील नहीं हैं तो आप कभी एक सच्चे इंसान नहीं बन सकते। हालांकि, एक संवेदनशील शख्स होना थोड़ा मुश्किल है लेकिन इस गुण के अपने कुछ फायदे भी हैं।

अंतर्ज्ञानी (इंट्यूटिव)

जरूरी है कि आप अपने इस व्यवहार को पसंद करें और खुद के लिए अच्छा महसूस करें। इंट्यूशन आपका आंतरिक गाइड होता है, जो आपको किसी भी एक्शन की पूरी तस्वीर दिखाने में मदद करता है। खुद के साथ यह गहरा रिश्ता आपको दूसरे लोगों को अलग तरह से समझना सिखाता है। साथ ही, ऐसे लोग समस्याओं के साथ बेहतर तरीके से डील करते हैं।

सबकी परवाह

जो लोग ज्यादा संवेदनशील होते हैं, वे ज्यादा केयरिंग भी होते हैं। वे अपनी और दूसरों की काफी परवाह करते हैं। याद रखें कि जितना ज्यादा आप ध्यान रखेंगे और परवाह करेंगे, आप उतनी ही मजबूत होंगे। संवेदनशील लोग, बेघर पशुओं की भी मदद करते हैं।

दूसरों की भावनाओं की कद्र

संवेदनशील लोग हमेशा दूसरों की भावनाओं की कद्र करते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो जान लें कि यह आपका एक शक्तिशाली गुण है। हालांकि, गुस्सैल लोगों से आने वाली नकारात्मक भावनाओं और डिस्ट्रेस से आपको सावधान भी रहना चाहिए।

आतंरिक दुनिया से जुड़ाव

संवेदनशील लोगों के पास हर स्थिति के बारे में एक खास नजरिया और भावना होती है। वह अपने अंदर की आवाज पर ध्यान देते हैं और उसे कभी नजरअंदाज नही करते। अगर आप भी संवेदनशील हैं तो आप भी अपनी भावनाओं और आंतरिक मन से जुड़े होगे। यही वजह है कि आप कोई भी काम बहुत ही समझदारी और सावधानी के साथ करते हैं।

संवेदनशीलता-रचनात्मकता

अगर आप संवेदनशील हैं तो हो सकता है कि आप क्रिएटिव यानी रचात्मक भी हों। बहुत से संवेदनशील लोग इंट्रोवर्ट होते हैं और यही उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देता है। ऐसे लोगों के पास दुनिया को देखने और समझने का एक अनोखा और रचनात्मक नजरिया होता है।

सच्चा व्यक्तित्व

संवेदनशील लोग अपने व्यक्तित्व को लेकर वास्तविक होते हैं। वे कभी दिखावा नहीं करते और न ही अपने व्यक्तित्व को लेकर झूठ बोलते हैं। वे जैसे हैं, वैसे ही खुद को स्वीकार करते हैं। ईमानदारी उनका एक बहुत महत्वपूर्ण गुण होता है। ऐसे लोग खुले दिल के होते हैं।

सबक

ब्लैक बेल्ट

एक नौजवान मार्शल आर्टिस्ट को सालों की मेहनत के बाद ब्लैक बेल्ट देने के लिए चुना गया। समारोह वाले दिन नवयुवक मास्टर सेन्सोई के समक्ष ब्लैक बेल्ट प्राप्त करने पहुंचा। सेन्सेई बोले, 'बेल्ट देने से पहले तुम्हें एक और परीक्षा देनी होगी।' 'मैं तैयार हूं। नवयुवक ने कहा। उन्होंने पूछा, ब्लैक बेल्ट हासिल करने का मतलब क्या है?' नवयुवक ने कहा, 'मेरी यात्रा का अंत व मेरे कठोर परिश्रम का इनाम। सेन्सेई बोले, 'तुम अभी ब्लैक बेल्ट पाने के काबिल नहीं हो। एक साल बाद आना।' एक साल बाद नवयुवक फिर ब्लैक बेल्ट लेने के लिए पहुंचा। सेन्सेई ने दोबारा वही प्रश्न किया, 'ब्लैक बेल्ट हासिल करने का मतलब क्या है?' नवयुवक ने कहा, 'यह इस कला में सबसे बड़ी उपलब्धि पाने का प्रतीक है। सेन्सेई संतुष्ट नहीं हुए। बोले, 'तुम अभी भी बेल्ट पाने के हकदार नहीं बन पाए ,फिर आना।' एक साल बाद फिर वह युवक उनके सामने था। सेन्सेई ने पुनः वही प्रश्न किया, 'ब्लैक बेल्ट हासिल करने का असली मतलब क्या है?'

'ब्लैक बेल्ट आरंभ है, एक कभी न खत्म होने वाली यात्रा का, जिसमें अनुशासन है, कठोर परिश्रम है, और हमेशा सर्वोत्तम मापदंड छूने की लालसा है। नवयुवक ने पूरे आत्मविश्वास से कहा।

सेन्सेई उत्तर सुन कर प्रसन्न हुए और बोले, 'बिल्कुल सही। अब तुम ब्लैक-बेल्ट पाने के लायक बने हो। इस सम्मान को ग्रहण करो और अपने कार्य में लग जाओ।

कई बार किसी बड़ी उपलब्धि को हासिल करने के बाद हम निश्चित हो जाते हैं। शायद यही वजह है कि शिखर पर पहुंचना, शिखर पर बने रहने से आसान होता है। हमें चाहिए कि हम अपनी उपलब्धि के मुताबिक और कड़ी मेहनत करें। अपने सम्मान की प्रतिष्ठा बनाए रखें।

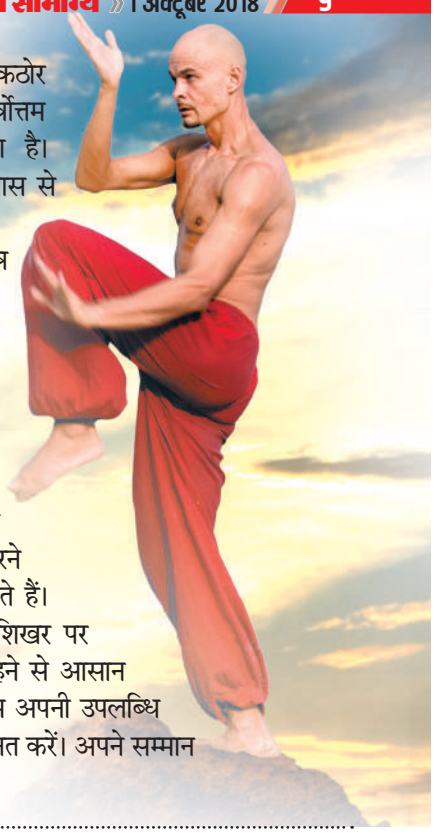

सलाह

डॉक्टर के सवाल का दें सही जवाब

जब कभी किसी शारीरिक परेशानी या बीमारी के सिलसिले में आप डॉक्टर के पास जाते हैं, तो इलाज से पहले डॉक्टर आपसे कुछ सवाल पूछते हैं। क्योंकि इन सवालों का सीधा संबंध आपकी बीमारी से नहीं होता है, जिनका जवाब आप देना नहीं चाहते हैं इसलिए ज्यादा लोग अपनी उम्र कम कर के बताते हैं या अंदाजे से बताते हैं। कई बीमारियां ऐसी हैं, जिनमें आपकी उम्र का पता न चलने पर आपका इलाज गलत हो सकता है।

आपने क्या खाया

इस सवाल का जवाब भी बहुत से लोग गलत देते हैं कि उन्होंने क्या खाया है। कई बार कुछ बीमारियों का सीधा संबंध हमें अपने खाए गए आहार से दिखाई नहीं देता है मगर उसमें मौजूद कुछ तत्वों का संबंध इससे हो सकता है, जिसके बारे में डॉक्टर हमसे ज्यादा बेहतर समझते हैं।

दवाओं के बारे में

जब किसी डॉक्टर के पास आप दोबारा जांच के लिए जाते हैं तो डॉक्टर अक्सर आपसे पूछते हैं कि क्या पहले दी हुई सभी दवाओं को आपने सही टाइम पर खाया है इस सवाल का जवाब भी बहुत से लोग गलत देते हैं। अगर आपने दवा की कोई डोज मिस कर दी है तो बताना चाहिए।

सिगरेट-शराब पीते हैं?

चिकित्सक मरीज सें अक्सर ये सवाल भी पूछते हैं कि क्या तंबाकू, शराब या किसी नशीले पदार्थ का सेवन करते हैं या धूम्रपान करते हैं या कितना करते हैं ,इस सवाल का जवाब भी बहुत से लोग गलत देते हैं। लेकिन गंभीर बीमारियों के मामले में ये घातक हो सकता है।अतः डॉक्टर से कोई बात छिपाना ठीक नहीं, उस्केसवालों का सही जवाब आपकी अच्छी सेहत के लिए जरुरी है।

परवरिश

बच्चों की खातिर मुस्कुराना

एक पिता का साथ बच्चों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अलग-अलग शोध यह साबित कर चुके हैं कि छुटपन से बच्चे पिता के मूड और व्यवहार से बहुत प्रभावित होते हैं।

अगर आप घर पर मुस्कुराते नहीं हैं तो आज से ही ऐसा करना शुरू कर दें क्योंकि आपके मूड का बच्चों पर आपकी सोच से अधिक असर पड़ता है। मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में एक शोध के मुताबिक बच्चे के विकास पर पिता के पेरेंटिंग से संबंधित स्टेड्स का बहुत ही नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यूनिवर्सिटी की ओर से 730 परिवारों पर हुए सर्वे में पाया गया कि जो पिता पेरेंटल स्टेड्स में होते हैं या फिर अवसाद का शिकार होते हैं, उनके बच्चों का विकास प्रभावित होता है। यह परिणाम उस अवधारणा के विरूद्ध है, जिसमें माना जाता है कि बच्चों की परवरिश और विकास में पिता का प्रभाव मां की तुलना में कम पड़ता है। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि पिता के पेरेटिंग से संबंधित स्टेड्स का असर बच्चों के ज्ञान और भाषा संबंधी विकास पर तभी से पड़ने लग जाता है, जब वह दो या तीन साल का होता है।

अलग न करें

पिता बच्चों की परवरिश से खुद को अलग नहीं कर सकते। अगर आप अब तक यही मानते आए हैं कि आपका काम घर में चीजें जुटाना है तो फिर अपनी सोच बदल दीजिए। ऑफिस का काम कभी घर पर मत लाइए। बच्चे उस थोड़े से वक्त में आपका साथ चाहते हैं और चाहते हैं कि आप उनके साथ खेलें न कि ऑफिस की झल्लाहट उन पर निकालें।

पिता से सीखते हैं बच्चे

यह भी सही है कि पिता पर बच्चे की परवरिश का बहुत दबाव रहता है और पेरेंटिग संबंधी मानसिक परेशानियों से वह चाहे न चाहे घिर ही जाता है। ऐसे में शोध ने इस बात को पुरजोर तरीके से साबित किया है कि बच्चों के बड़े होने में मां के साथ-साथ पिता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और बच्चा कितना सीखेगा, यह उन पर काफी हद तक निर्भर करता है।

असर बड़े होने तक

यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर क्लेर वालोट्न के मुताबिक, पहले यह माना जाता था कि पिता बच्चों को सीधे तौर पर प्रभावित नहीं करते। उनका काम घर में संसाधन जुटाना है और मां ही बच्चे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है पिता बच्चों को न केवल कम उम्र में प्रभावित करते हैं, बल्कि इसका असर उनके बड़े होने तक भी बना रहता है।

लोककथा

पद का मोह

सुकांत को बुद्ध के पास रहते कई वर्ष हो गए तो उसने धर्म प्रचार की आज्ञा मांगी। बुद्ध ने कहा- पुत्र पहले स्वयं को इस योग्य बनाओ। सुकांत कई वर्षो तक कई कलाएं व विधाएं सीख कर आया और बुद्ध से पुनः धर्म-प्रचार की आज्ञा मांगी। बुद्ध ने अगले दिन आने को कहा। अगले दिन मठ में आने पर सुकांत को बुद्ध के आसन पर दो युवक बैठे दिखाई दिए। वह क्रोधित होकर उन्हें वहां से हटाने लगा तो उन्होंने कहा-हम राज कर्मचारी हैं। बुद्ध को लेने आये थे। अगर तुम चाहो तो तुम भी राजगुरू बनकर अच्छा कमा सकते हो। सुकांत ने चलने के लिए हामी भरी ही थी कि तभी वहां बुद्ध आम्रपाली के साथ आ पहुंचे। उन्हें देखते ही वह आम्रपाली की ओर आकृष्ट होते हुए बुद्ध से अपने और राज कर्मचारियों के बीच हुई बातचीत का विवरण देने लगा। बुद्ध ने कहा- 'पुत्र तुम अभी धर्म प्रचारक या राजगुरू पद के योग्य नहीं हुए हो। तुम में से अभी क्रोध नही गया है। राजगुरू का पद मोह भी तुम्हें अपनी ओर खींचता है, और मुझसे बात करते हुए तुम्हारा ध्यान आम्रपाली की और लगा हुआ था। क्रोध, लोभ और काम जिस दिन तुमसे छूट जाएंगे, तुम उसी दिन मठाधीश का पद संभाल सकते हो।

ध्यान

विश्राम का सरल मार्ग

हम सभी ने अपने जीवन में ध्यान की अवस्था को महसूस किया है। जिन क्षणों में हम बेहद खुश हुए हैं, या फिर जिन क्षणों में हम किसी काम में तल्लीनता से डूब गए हैं, ऐसे क्षणों में हमारा मन हल्का और आरामदायक प्रतीत होता है। हालांकि हम सबने ऐसे क्षणों को अनुभव किया है लेकिन हम अपनी मर्जी से दोबारा अनुभव नहीं कर पाते हैं। सहज समाधि ध्यान यही करना सिखाता है। यह ध्यान करने की अनूठी प्रक्रिया हैं, जिसके अभ्यास से आप तुरंत ही तनाव और परेशानियों से ऊपर उठकर मन में असीम शांति अनुभव करते हैं और शरीर में स्फूर्ति आती है।

सहज एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ है प्राकृतिक या जो बिना किसी प्रयास से किया जाए, समाधि एक गहरी आनन्दमयी ध्यानस्थ अवस्था है अतः सहज समाधि वह सरल प्रक्रिया है जिसके माध्यम से हम आसानी से ध्यान कर सकते है। ध्यान करने से सक्रिय मन शांत होता है, और स्वंय में स्थिरता आती है। जब मन स्थिर होता है तब उसके सभी तनाव छूट जाते हैं, जिससे हम स्वस्थ और केन्द्रित महसूस करते हैं।

प्रक्रिया

यह मंत्र-ध्यान है, जिसमें एक सरल ध्वनि/मंत्र द्वारा सिखाई जाती है, जिसका मन में स्मरण करने पर मन स्थिर होने लगता है और भीतर जाने लगता है जब मन और तांत्रिक तंत्र गहरे विश्राम में स्थिर होते हैं हमारे मन और विकास के मार्ग के अवरोध स्वतः खुलने लगता है।

फायदे

जब एक नदी शांत होती है, तब उसमें प्रतिबिम्ब अधिक साफ दिखाई देता हैं, उसी प्रकार जब मन शांत होता है, तभी हम अधिक स्पष्टता से अपनी बात को व्यक्त कर पाते हैं, तब किसी भी बात को देखने समझने और व्यक्त करने की कला निखरती है फलस्वरुप हम अपने जीवन में अधिक स्पष्टता से संवाद कर पाते हैं। ■

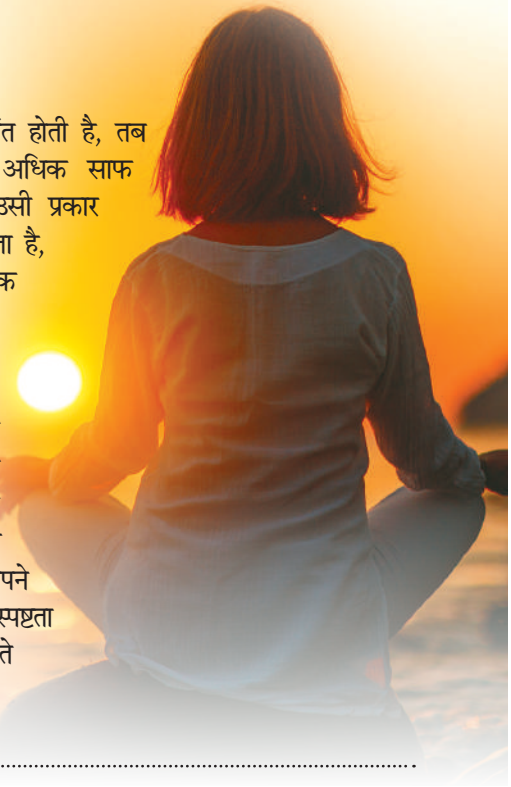

स्वीकारोक्ति

मन बदलने से मिलती है खुशी

दिन बुरे हों या अच्छे, दोनों ही जीवन के प्रति हमारा आकर्षण बनाए रखते हैं। दोनों ही हमें मजबूती देते हैं। यह हम पर निर्भर करता है कि जब हालात बुरे होते हैं, तब हम उसका किस तरह से सामना करें। अक्सर हम खुशी हो या गम, दोनों की ही अति में चले जाते हैं। फिर या तो एकदम फूलकर कुप्पा हो जाते हैं या बिल्कुल टूट जाते हैं। जीवन में तो दोनों ही आएंगे उसको नकारा नही जा सकता, इसलिए अपने भीतर स्वीकार का भाव लाएं।

जो भी घट रहा है उसको आप स्वीकार करें। अस्वीकार करने से ही हमारे हिस्से दुख आता है। स्वीकार भाव पैदा होने से खुशियां खुद-ब-खुद आपके साथ बनी रहेंगी। खुशी और गम जीवन के दो पहलू हैं। खुशी तभी तक खुशी लगती है जब उसकी गम के साथ तुलना न हो तो खुशी, खुशी नहीं रह जाएगी। ऐसे ही जीवन में जब बुरे हालात पैदा होते हैं, तब हम उसकी अच्छे दिनों से तुलना करते हैं और दुखी हो जाते हैं। हालांकि, जीवन दोनों के साथ चलता है। किसी के भी जीवन में हमेशा न खुशी रह सकती है न गम, चाहे वह राजा हो या रंक। बाहर की खुशी हमेशा रहने वाली नहीं। वह क्षणिक है। आती है और चली जाती है, लेकिन जब भीतर की खुशी पैदा होती है, तब बाहर की झूठी खुशी का इंतजार करना नहीं पड़ता। भीतर का आनंद अध्याम से आता है। अध्याम के बिना अंदर की खुशी वास्तविक नहीं झूठी ही होती है। जीवन एक उत्सव है। शरीर का कब अंत हो जाए, कुछ पता नहीं, इसलिए आज को भरपूर जी लो, कल के भरोसे न बैठो, वह कभी नहीं आता। दुखी रहने के लिए जीवन नहीं मिला है। ■

बढ़ते कदम

पोलियो को हरा, आगे बढ़ा सलमानी

इलाहाबाद निवासी 23 वर्षीय मो.आबिद सलमानी जन्मजात पोलियोग्रस्त हैं। इनके दोनों पांव नाकाम होने से घिसटते हुए जीवन व्यतीत करना ही जैसे इनकी नियती था। गरीबी की मार ने भी उन्हें और माता-पिता को बुरी तरह तोड़ दिया था। समय पर उपचार नहीं मिलने से दोनों पांव दिनों दिन अधिक अक्षम होते चले गए।

इसी वर्ष उन्हें किसी परिचित ने नारायण सेवा संस्थान में पोलियो की निःशुल्क चिकित्सा की जानकारी दी। इस पर वे संस्थान में आए और पिछले जनवरी से जून 2018 के बीच क्रमशः दोनों पांव के ऑपरेशन हुए। अब वे बैसाखी के सहारे खड़े हो सकते हैं। ऑपरेशन के बाद अपने शहर लौट कर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाते हुए ऑटो चलाना सीखा और उसे रोजगार का माध्यम भी बनाया।

परिवार अब सुकून के साथ रहता हैं। उन्होंने बताया कि वे और आगे बढ़ना चाहते हैं, इसी लक्ष्य से फिर नारायण सेवा संस्थान में आए हैं और इन दिनों निःशुल्क मोबाइल सुधार का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वे कहते हैं कि नारायण सेवा ने उन्हे अंधेरे से निकाल कर प्रकाश की राह दिखाई, जिसके लिए मैं आभारी रहूंगा।

विकास को मिली जीने की राह

हरिद्वार के धनपुरा निवासी विकास कुमार (36) किडनी में खराबी से यह मान बैठे थे कि उनकी सांसों की डोर कभी भी टूट सकती है। दिन-ब-दिन कमजोर होते जा रहे विकास की दुनिया बिस्तर के इर्द-गिर्द ही सिमटी थी। उन्हे सब ओर अंधेरा ही दिखाई पड़ता था तभी उदयपुर के सेवा परमोधर्म ट्रस्ट ने उन्हें संभाला जिससे उन्हें जीने की राह मिल गई।

विकास कुमार इस रोग की चपेट में बहुत पहले आ चुके थे, किन्तु डेढ़ वर्ष पूर्व ही जांच पर रोग की गंभीरता सामने आई। दोनों किडनियां खराब हो चुकी थीं। डॉक्टरों ने किडनी प्रत्यारोपण के लिए अनुमानतः 7 लाख रूपए का खर्च बताया। गरीब परिवार के विकास के लिए इतनी बड़ी राशि जुटाना पहाड़ को उठाने जैसा असंभव कार्य था। माता-पिता का बहुत पहले ही देहान्त हो चुका था। वे स्वयं विवाहिता बहिन पर निर्भर थे। बहिन भी भाई की दिनों-दिन गिरती हालात और शरीर के हिस्सों में प्रायः सूजन से दुखी थी। साधारण परिवार में ब्याही बहिन की आर्थिक स्थिति भी कमजोर थी। विकास के पास न रोजगार था और न वे कोई काम करने में सक्षम थे। तभी उन्हें किसी परिचित ने सेवा परमोधर्म ट्रस्ट से सम्पर्क की सलाह दी। सेवा परमोधर्म ट्रस्ट ने अब तक के इलाज और आर्थिक स्थिति की जानकारी लेने के बाद उन्हे इलाज के लिए मदद दी। इलाज का सम्पूर्ण व्यय 6,017,09 सीधे अस्पताल को भिजवाया गया।

दिव्यांग भाई-बहिन अपना ऑपरेशन करवाने हेतु प्रतिक्षारत हैं कृपया मदद करें।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

दृष्टिबाधित दीपक का सपना साकार

बिहार के छपरा शहर के मूलनिवासी दीपक कुमार जन्म से ही दृष्टि बाधित हैं। उनके पिता पेशे से किसान हैं। वे अपनी सीमित आय से बमुश्किल परिवार का खर्च चला पाते हैं। उन्होंने रात दिन परिश्रम कर दीपक को पढ़ाया-लिखाया। वर्तमान में दीपक दृष्टिहीनों के लिए प्रायोजित दो वर्षीय स्पेशल टीचर का कोर्स कर रहे हैं। गरीबी के कारण उनके पिता इस खर्च को वहन करने में असमर्थ थे। प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम शुल्क उनके परिचित संवेदनशील व्यक्ति ने जमा करवा दिया था। फिर द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम शुल्क 11 हजार 500 रूपए जमा कराने की समस्या आ खड़ी हुई है। इसी दौरान दीपक को साथी जुगताराम से नारायण सेवा संस्थान एवं सेवा परमो धर्म ट्रस्ट से संपर्क करने की सलाह मिली। इस पर ट्रस्ट ने परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति एवं दीपक का पढ़ाई के प्रति रूझान देखकर वांछित आर्थिक मदद उपलब्ध कराई।

वर्कशॉप

सिलाई व मोबाइल सुधार कार्यशाला

संस्थान के लियो का गुड़ा सेवा महातीर्थ में 6 अगस्त को निर्धन एवं दिव्यांग महिलाओं के लिए संचालित स्वरोजगारोन्मुखी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र में विशेषज्ञ श्रीमती वंदना सुथार ने प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को राजस्थान में पहने जाने वाले विशेष परिधानों की कटिंग, सिलाई एवं डिजाइनिंग की जानकारी दी। वही 18 अगस्त को संस्थान के कौशल प्रशिक्षण केन्द्र में मोबाइल रिपेयरिंग का प्रशिक्षण ले रहे दिव्यांग एवं निर्धन प्रशिक्षणार्थियों के लिए विशेष कार्यशाला हुई। जिसमें मोबाइल रिपेयरिंग के निष्णात सूरज खारोल ने मोबाइल के पुर्जो, उनके कार्य, खराबी और सुधार की विस्तार से जानकारी दी।

खेल-खिलाड़ी

जूडो में उत्कृष्ट प्रदर्शन

उदयपुर जिला सब जूडो एसोसिएशन के तत्वावधान में पिछले दिनों श्रमजीवी महाविधालय में संपन्न जिला स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में सेवा परमो धर्म-नारायण सेवा संस्थान के निराश्रित बालगृह के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जर्नादनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति एस,एस. सारंगदेवोत ने बालकों को सम्मानित किया। प्रतियोगिता में बालक नरेश परमार, नरेश बम्बुरिया, ललित गरासिया, हरजी मीणा ने गोल्ड मेडल हासिल किया तथा किशन भील ने सिल्वर मेडल व राहुल गमार ने ब्रोन्ज मेडल जीता। इनमें से नरेश परमार, नरेश बम्बुरिया, ललित गरासिया और हरजी मीणा का चयन राज्य स्तरीय जूडों प्रतियोगिता के लिए हुआ।

आपश्री का सहयोग इन दिव्यांग बच्चों के चेयरे पर मुस्कान ला रहा है-कृपया ममद करें।

परिणय

यादगार लम्हों में बंधे जीवन की डोर से

» संस्थान में 52 दिव्यांग व निर्धन जोड़ों का ठाठ से हुआ विवाह

मंगल घडियों ने जब दस्तक दी तो चेहरे उल्लास से दमक उठे। खुशियों में मगन होकर झूमते लोगों के साथ शादी के जोड़े में बग्घियों पर सवार होकर निकले दूल्हा-दुल्हन को देख मन हर्षा गए। बैंड-बाजों का धूम-धड़ाका, रिमझिम फुहारों का स्वागत, सत्कार और दिव्यांग जोड़ों की खुशियों में शरीक होने देश के कोने-कोने से आए सैंकड़ों लोग। अवसर था नारायण सेवा संस्थान की ओर से दो दिवसीय निःशुल्क 31 वें दिव्यांग एवं निर्धन युवक - युवती सामूहिक विवाह समारोह के प्रथम दिन 8 सितम्बर 2018 को आयोजित दो दिवसीय भव्य बिंदौली का।

बिंदौली में नाचते-गाते निकले लोगों ने दिव्यांग जोड़ों पर स्नेह का ऐसा उल्लास बिखेरा कि देखने वाले भी भाव विभोर होकर थिरक उठे। भव्य बिंदौली में 52 जोड़े सजी-धजी बग्घियों पर सवार थे। बग्घियों के पीछे उल्लासित बाराती देशभक्ति तरानों, सदाबहार गीतों, राजस्थानी लोकगीतों के साथ ही गुजराती, मराठी गीतों की धुन पर जमकर थिरके। बिंदौली सूरजपोल, बापू बाजार, होते हुए देहलीगेट पहुंची। रास्ते में जगह-जगह स्वागत द्वार पर भव्य स्वागत किया गया।

बिंदौली को संस्थान के संस्थापक पूज्य श्री कैलाश जी 'मानव', सह संस्थापिका श्रीमती कमलादेवी जी अग्रवाल, मध्यप्रदेश सरकार के सूचना आयुक्त श्री आत्मदीप, डॉ. दिलखुश सेठ, नितीन जी पारीख, अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल, निदेशक वंदना जी अग्रवाल, ट्रस्ट्री देवेंद्र जी चौबीसा ने झण्डी दिखकर रवाना किया।इससे पूर्व प्रातः सेवा महातीर्थ में भामाशाह सम्मान एवं कृत्रिम अंग उपकरण वितरण कार्य म हुआ जिसमें रानी दुलानी मुम्बई, पंकज चौधरी हैदराबाद, कुसुम गुप्ता दिल्ली, आरएस अरोड़ा दिल्ली, बालकृष्ण तिवारी इंदौर, रामजीभाई सूरत आदि दानदाताओं ने आशीर्वचन के बीच दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग व उपकरण वितरित किए। समारोह में 1510 भामाशाहों का सम्मान किया गया। संचालन महिम जैन ने किया। दिव्यांग जगदीश व योगेश ने व्हील चेयर पर डांस परफॉरमेंस देकर सबको रोमांचित कर दिया।

इसके बाद मेहंदी की रस्म हुई जिसमें बारी-बारी से सभी दिव्यांग वधुओं के हाथों में मेहंदी रची गई। यहां मेहंदी रस्म के पारम्परिक गीतों ने भी समां बांधा। इसके बाद सबने पांडाल में प्रथम पूज्य गणपतिजी का आशीर्वाद लिया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

» वधुओं को मेहन्दी लगाती श्रीमती वंदना अग्रवाल

» दिव्यांगों में टेलेंट देख-चकित हुए अतिथि

मिली खुशियों की सौगात

जीवन भर के लिए रिश्तों की डोर बंधी तो मन बार-बार हर्षित हुआ। यादगार लम्हों के साक्षी बनें अपनों के दुलार ने जीवन के हर दर्द को भुला दिया। उमंगों से परिपूर्ण दिव्य वातावरण में दिव्यांगता का दंश पीछे छूट अतीत में खो गया और नए जीवन साथी के साथ जीवन की नई राहों ने दस्तक दी। शाही इंतजामों के बीच नाते-रिश्तेदारों, दोस्तों ने हंसी-ठिठौली के बीच खूब स्नेह लुटाया। देशभर से आए धर्म माता-पिता के सान्निध्य ने अभिभूत और भावुक कर दिया। गणमान्यजनों की मौजूदगी ने दिव्य आयोजन की आभा में चार-चांद लगा दिए। हजारों लोगों की साक्षी में लियों का गुड़ा (बड़ी) स्थित संस्थान परिसर में विशाल निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह के दूसरे दिन 9 सितम्बर 2018 को देश के विभिन्न राज्यों से आए 52 जोड़े पारम्परिक रस्मो रिवाज से सात जन्मों के बंधन में बंधे। संस्थान संस्थापक परम पूज्य कैलाश जी 'मानव', सह संस्थापिका श्रीमती कमलादेवी जी अग्रवाल, अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल, निदेशक वंदना जी अग्रवाल, ट्रस्ट्री देवेंद्र चौबीसा, तारा संस्थान की संस्थापक-अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल के सान्निध्य में हुए इस समारोह में आशीर्वाद, आशीर्वचन, आस्था और अपनेपन की झलक देखने को मिली। विवाह समारोह का जो भी साक्षी बना, भाव-विभोर हो गया। शुभ मुहूर्त में विवाह समारोह की रस्मों की शुरुआत हुई जिसमें दूल्हों ने नीम की डाली से तोरण की रस्म अदा की। देशभर से आए हजारों लोगों की मौजूदगी में वरमाला एवं आशीर्वाद समारोह हुआ। शादी के जोड़ों में सजे दूल्हा-दुल्हन ने बारी-बारी से एक-दूसरे को वरमाला पहना हमेशा के लिए रिश्ते की डोर को अपनेपन के उल्लास के साथ जोड़ दिया। तालियों की गडगड़ाहट, मंगल गीतों की आह्लादित करती वेला में विशेष तौर पर बनाए गए हाइड्रोलिक मंच पर पांच जोड़ों की वरमाला का दृश्य तो बस देखते ही बन पड़ा। घूमते हुए मंच पर पुष्प वर्षा व भव्य आतिशबाजी के बीच वर-वधू ने वरमाला की रस्म अदा की तो खचाखच भरे डोम व उसके बाहर मौजूद हजारों लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। जोड़ों में कई दूल्हा-दुल्हन दिव्यांग थे, मगर उत्साह सबका देखते ही बनता था। वरमाला के दौरान कोई दूल्हा कृत्रिम उपकरणों की मदद से वरमाला लिए आगे बढ़ा तो कोई जमीन पर हाथों व पैरों की मदद से, तो कोई

» कृत्रिम अंग पाकर उल्लसित दिव्यांगजन

» बिन्दोली में प्रशान्त जी व वंदना जी के साथ झूमते नाचते बाराती

व्हील चेयर पर आया। इससे पूर्व अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल, निदेशक वंदना जी अग्रवाल व साधक डोली में दुल्हन को लेकर पहुंचे तो पूरा पांडाल ही थिरक उठा। समारोह में विशिष्ट अतिथि रानी दुलानी मुम्बई, श्री पंकज चौधरी हैदराबाद, श्रीमती कुसुम गुप्ता दिल्ली, श्रीमती अलका चौधरी हैदराबाद, श्रीमती प्रेम निजावन दिल्ली, श्री हरी निवास जी आगरा, श्री प्रभुनाथ सिंह जी इलाहबाद, श्रीमती राधा रानी फरीदाबाद, श्री विजेंद्र दत्त दिल्ली, श्री आरएस अरोड़ा दिल्ली व श्री बालकृष्ण तिवारी इंदौर ने आशीर्वचन प्रदान किए। वरमाला के बाद विवाह स्थल पर ही तैयार वेदियों पर मुख्य आचार्य पण्डित हरीश शर्मा के मार्गदर्शन में विवाह की सभी रस्में विधि-विधान के साथ व धर्म माता-पिता के सानिध्य में संपन्न हुईं। पाणिग्रहण संस्कार के बाद विवाह की अन्य रस्में हुईं। वर-वधुओं को आशीर्वाद प्रदान करने दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुडग़ांव, जोधपुर, देहरादून, पटना, बड़ौदा सहित देश के कई राज्यों व शहरों से संस्थान सहयोगी एवं अतिथि पधारे। समारोह में आयोजक समितियों के दल्लाराम पटेल, रोहित तिवारी, विष्णु शर्मा हितैषी, दीपक मेनारिया, मनीष परिहार, भगवती मेनारिया, दिनेश वैष्णव, कुलदीप शेखावत, अम्बालाल श्रोत्रिय, जितेंद्र गौड़, दिग्विजय सिंह, अनिल आचार्य ,रजत गौड़, ऐश्वर्य त्रिवेदी, राजेन्द्र सोलंकी, राकेश शर्मा, जसबीर सिंह विभिन्न व्यवस्थाओं में सहभागी बने। संचालन महिम जैन ने किया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

» नीम की डाली से तोरण की परम्परा का निर्वाह

» चारों ओर घूमते हाईड्रोलिक मंच पर वरमाला की रस्म

मुख्यमंत्री का आशीर्वाद

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे की ओर से भी जोड़ों के आशीर्वाद का संदेश मिला। राजस्थान सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने ऐसे भव्य आयोजन के लिए संस्थान को प्रशस्ति पत्र भेंट किया।

विदाई की वेला में भर आई आंखें

शादी की खुशियों के बीच जब जोड़ों की विदाई वेला आई तो पांडाल में मौजूद सभी लोगों की आंखों से अपनेपन के आंसू छलक आए। दूल्हनों को डोली में बिठाया गया। परिजनों, मित्रों के साथ ही धर्म माता-पिता ने मंगल आशीष के साथ बेटियों को विदा किया। परिजनों ने नारायण सेवा संस्थान परिवार का आभार जताया। संस्थान की ओर से सभी जोड़ों को उनके गांव, शहर में स्थित निवास स्थान तक छोडने के लिए विशेष बस, कारों व अन्य वाहनों की निःशुल्क व्यवस्था की गई। जोड़ों को गृहस्थी के लिए आवश्यक सामान के रूप में थाली, कटोरी, गिलास, स्टील की कोठी, बर्तन, कूकर, ' ाकरी, सिलाई मशीन, डिनर सेट, गैस चूल्हा, कंबल, बेडशीट्स, तकिया, घड़ी, साडियां, पेंट-शर्ट्स, सोने का मंगलसूत्र, चांदी की पायल, बिछिया, अंगूठी सहित अन्य घरेलू उपहार सामग्री आदि प्रदान किए गए। ■

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

मीडिया

illustrated india
voice of youth

BUSINESS ECONOMICS EDUCATION ENTERTAINMENT HEALT
S TECHNOLOGY WORLD CRIME

52 Divyang and Underprivileged Couples ties knot at Narayan Seva Sansthan

- 31st mass marriage ceremony for Divyang and underprivileged couples was arranged Free of Cost by Narayana Seva Sansthan

The environment was lit with emotions and happiness for the families of the two people getting married to each other. The presence of many dignitaries from NGOs and Ministries added the charm to the event and made it memorable.

This beautiful and unique ceremony held on Sunday at the campus of Narayan Seva Sansthan situated at Badi district of Udaipur. The ceremony was witnessed by thousands of people who blessed newlywed couples with love and happiness.

On this occasion, total of 52 couples from different states of the country got married via traditional rituals. The event took place in the presence and amidst the blessings of Mr. Kailash Manav – founder of Narayan Seva Sansthan, Kamaladevi Agarwal, President Prashant Agrawal, Director Vandana Agrawal, Trustee Devendra Chobisa and Jagdish Arya.

During the ceremony, the entire bridegroom followed traditional rituals for 'toran'. Post this all the bride and the bridegroom put 'vanmalas' on each other and took blessings from the elders present in the event.

The event included both differently abled bride and bridegroom and in spite of being with a physical disability, all of them showed excitement and immense happiness.

The couples, who did not have their original parents, were blessed and helped by their guardians. To give blessings to the newly-wed couples, numerous representatives and guests from various NGOs belonging to Delhi, Mumbai, Ahmedabad, Gaziabad, Faridabad, Gurgaon, Jodhpur, Indore, Agra, Nagpur, Hyderabad, Aligar, Pune, Rajkot, Dehradhun, Patna, Baroda, were also present.

The Organization Committee members, namely, Dalaram Patel, Rohit Tiwari, Deepak Menaria, Manish Parihar, Bhagwati Menaria, Dinesh Vaishnav, Kuldeep Shekhawat, Ambalal, Jitendra Gaur, Digvijay Singh, Anil Acharya and Rajat Gaur looked at the smooth flowing of the arrangements.All the beneficiaries and their families and dear ones, thanked Narayan Seva Sansthan for this initiative which helped in bringing together various lives.

On behalf of the Chief Minister Mrs. Vasundra Raje, the Women and Child Development Ministry of Rajasthan Government presented the citation for such a grand event.

Spread the love

SABGURU NEWS हर खबर पर नजर

Buy Car In

समाचार देश विदेश बिजनस खेल ज्योतिष हेल्थ

Nation Rajasthan Udaipur

52 दिव्यांग व निर्धन जोड़ों को मिली खुशियों की सौगात

सितम्बर 10, 2018

Like 2 Tweet

उदयपुर । जीवन भर के लिए रिश्तों की डोर बंधी तो मन बार-बार हर्षित हुआ। वादगार लम्हों के साक्षी बने अपनी के दुलार ने जीवन के हर दर्द को भुला दिया। उमंगों से परिपूर्ण दिव्य वातावरण में दिव्यांगता का दंश पीछे छूट अतीत में खो गया और नए जीवन साथी के साथ जीवन की नई राहों ने दस्तक दी। साही इंतजामों के बीच नात-रिश्तेदारों, दोस्तों ने हंसी-ठिठोली के बीच खूब स्नेह लुटाया। दशभर से आए बधों माता-पिता के साल्निध्य ने अभिभूत और भावुक कर दिया। गणमान्यजनों की मौजूदगी ने दिव्य आयोजन की आभा में चार-चांद लग दिए।

इंजारों लोगों की साक्षी में यह अनूठा उपहार था **नारायण सेवा संस्थान** की ओर से निर्धनों का जुड़ा बड़ी स्थित मुख्यालय पर रविवार को आयोजित हुए 31वें भव्य विवाह निःशुल्क **दिव्यांग सामूहिक विवाह समारोह** का। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए 52 जोड़े पारम्परिक रस्मों रिवाज से सात जन्मों के बंधन में बंधे। नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक कैलाश 'मानव', राष्ट्र संस्थापिका कमलादेवी अग्रवाल, अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, निदेशक वंदना अग्रवाल, ट्रस्टी देवेंद्र चौबीसा, जगदीश आर्य के साल्निध्य में हुए इस समारोह में आशीर्वाद, अशीर्वचन, आस्था और अपनेपन की अद्भुत झलक देखने को मिली। विवाह समारोह का जो भी साक्षी बना, भाव-विभोर हो गया।

शुभ मुहूर्त में विवाह समारोह की रस्मों की शुरुआत हुई जिसमें दूल्हों ने नीम की डाली ने तोरण की रस्म अदा की। इसके बाद संस्थान परिसर में बने विशाल पांडाल में देशभर से आए हजारों लोगों की मौजूदगी में परमाला एवं आशीर्वाद समारोह हुआ। शादी के जोड़ों में सजे दूल्हा-दुल्हन ने बारी-बारी से एक-दूसरे को परमाला पहना हमेशा के लिए रिश्ते की डोर को अपनेपन के उल्लास के साथ जोड़ दिया। शादियों की सड़ाहाट, मंगल गीतों की आह्लादित करती धुन में विशेष तौर पर बनाए गए हाइड्रोलिक मंच पर पांच जोड़ों की परमाला दृश्य तो बस देखते ही बन पड़ा।

चलते हुए मंच पर पुष्प वर्षा व भव्य आतिशबाजी के बीच वर-वधू ने परमाला की रस्म अदा की तो बधावाचार भरे ढोल व उनके बाहर मौजूद हजारों लोगों ने बार-बार करतल ध्वनि से स्वागत किया। उनके फोटो व वीडियो लेने की भी होड़ लग गई। जोड़ों में कोई दूल्हा दिव्यांग था, तो कोई दुल्हन, तो कोई दोनों भगर उत्साह सबका देखते ही बना। परमाला के दौरान कोई दूल्हा कृत्रिम उपकरणों की मदद से परमाला लिए कोई आगे बढ़ा तो कोई जमीन पर हाथों व पैरों की मदद से, तो कहीं कोई व्हील चेयर पर परमाला लिए था। इस दौरान विवाह के पारम्परिक व फिल्मी गीतों व धुनों पर पूरा पांडाल ही थिरक उठा। इससे पूर्व अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, निदेशक वंदना अग्रवाल आदि एक ठोली में दुल्हन को लेकर पहुंचे तो पूरा पांडाल ही थिरक उठा।

समारोह में अतिथि जिसमें रानी दुलारी मुम्बई, पंकज चौधरी हैदराबाद, कुसुम गुप्ता दिल्ली, अनका चौधरी हैदराबाद, पेज निजलन दिल्ली, हरी निवास जी आगरा, प्रलुनाथ सिंह इलाहाबाद, राधा रानी फरीदाबाद, विजैद दत्त दिल्ली उपराल अरोड़ा दिल्ली, बालकृष्ण तिवारी इंदौर, ने आशीर्वचन प्रदान किए।

परमाला के बाद विवाह स्थल पर ही तैयार वेदियों पर तृतीय आचार्य के मार्गदर्शन में विवाह की सभी रस्में विधि-विधान के साथ संत समुदाय की मौजूदगी व धर्म माता-पिता के आशीर्वाद के बीच संपन्न हुई। पाणिग्रहण संस्कार के बाद विवाह की अन्य रस्में हुईं। वर-वधुओं को अशीर्वाद प्रदान करते दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुड़गांव, जोधपुर, इंदौर, आगरा, नागपुर, हैदराबाद, अलीगढ़, पूना, राजकोट, देहरादून, पटना, बड़ौदा सहित देश के कई राज्यों व शहरों से संस्थान के सहयोगी एवं अतिथियगण पधारे।

समारोह में आयोजक समितियों के दलाराम पटेल, रोहित तिवारी, दीपक मेनारिया, मनीष परिहार, भगवती मेनारिया, दिनेश वैष्णव, कुलदीप शेखावत, अम्बालाल, जितेंद्र गौड़, दिग्विजय सिंह, अनिल आचार्य और रजत गौड़, विभिन्न व्यवस्थाओं में सहभागी बने। संचालन मोहिन जैन ने किया। विदाई की वेला में भर आई आंखें शादी की खुशियों के बीच जब दिव्यांग बहनों की विदाई की वेला आई तो पांडाल में मौजूद सभी लोगों की आंखों से अपनेपन के आंसू छलक आए। दूल्हनों को डोली में बिठाया गया। परिजनों, मित्रों के साथ ही धर्म माता-पिता ने मंगल आशीष के साथ वेदियों को विदा किया। परिजनों ने नारायण सेवा संस्थान परिवार का आभार जताया।

Shine Delhi Developing City & Culture

responce

दिल्ली खास न्यूज़ फोटो गैलरी वीडियो समाचार पर्यटन खाना बॉलिवुड देश/विदेश

Home

52 दिव्यांग व निर्धन जोड़ों को मिली खुशियों की सौगात

News Detail 10 Sep 2018 Related News

दिव्य वातावरण के बीच यादगार लम्हों में बंधी रिश्तों की डोर।

English | Urdu | Arabic | Turkish | Pakistan | India

Odisadiary

Categories Contact us All news Search

5 days ago odisadiary.com

52 Divyang and Underprivileged Couples ties knot at Narayan Seva Sansthan

Udaipur: The environment was lit with emotions and happiness for the families of the two people getting married to each other. The presence of many dignitaries from NGOs and Ministries added the charm to the event and made it memorable. This beautiful and unique ceremony held on Sunday at the campus of Narayan Seva Sansthan || The post 52 Divyang and Underprivileged Couples ties knot at Narayan Seva Sansthan appeared first on Odisha Diary.

Read on the original site

इंगरपुर। रविवार, 09 सितम्बर 2018 www.sunrise@rediff.com 4

52 दिव्यांग व निर्धन जोड़ों की ठाठ से निकली बिंदौली

बग्घियों में सजे दूल्हा-दुल्हन, खूब झूमे परिजन और धर्म माता-पिता

52 दिव्यांग व निर्धन जोड़ों की ठाठ से निकली बिंदौली

बग्घियों में सजकर बैठे दूल्हा और दुल्हन

खूब झूमे परिजन और धर्म के माता-पिता

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

उदयपुर, मंगल पाई में जब दलहा दी दी चेहरे उल्लास से दमक उठे। खुशी में मन लेकर झूमते लोगों के साथ शादी के जोड़े में बग्घियों पर सवार होकर निकले दूल्हा-दुल्हन को देख मन हर्षा उठा। बैंड-बाजों का धूम-धड़ाका, रिमझिम फुहारों का स्वागत-सत्कार और दिव्यांग जोड़ों की खुशियों में शरीक होने देश के कोने-कोने से आए सैकड़ों लोग।

अवसर था नारायण सेवा संस्थान की ओर से वंचितों को आयोजित निःशुल्क दिव्यांग तथा निर्धन सामूहिक विवाह समारोह के तहत बिंदौली का। इसे मध्यप्रदेश सरकार के सूचना आयुक्त आशीर्वाद, नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक कैलाश मानव, महासंस्थापिका कमलादेवी अग्रवाल, अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, दिलखुश सेठ, निर्मल पारीक ने झंडी दिखाकर रवाना किया।बिंदौली में 52 जोड़े बाजे-धजी बग्घियों पर सवार हुए। दोपहरीक ताजी, सरपाबार गीतों, लोकगीतों के साथ ही गुजराती, मराठी लावनी पर लोग जमकर थिरके। बिंदौली मुख्यमंत्रिण, बापू बाजार से होते हुए देशनिरीह पहुंची। रास्ते में जगह-जगह द्वार लगाकर इसका स्वागत किया गया। बिंदौली में कई हिस्सों भाई-बहन भी शामिल हुए। बाद में गेहरी की रस्म शुरू हुई।

इस दौरान मेहंदी रस्म के पारम्परिक गीतों ने भी समां बांधा। इसके बाद सभागे पांडाल में प्रथम पुष्प वर्षाकीजी का आशीर्वाद लिया गया।

इससे पहले भामाशाह सम्मान एवं कृत्रिम अंग-उपकरण वितरण कार्यक्रम हुआ जिसमें रानी दुलारी मुम्बई, पंकज चौधरी हैदराबाद, कुसुम गुप्ता व आरएस अरोड़ा दिल्ली, बालकृष्ण तिवारी इंदौर, रामजीचाई सूरत आदि सम्मानित पुन्यात्माओं ने आशीर्वचन के बीच दिव्यांगजनों का कृत्रिम अंग व उपकरण वितरित किए। समारोह में 1510 भामाशाहों का सम्मान किया गया।

सामूहिक विवाह समारोह आज

रविवार को लिखें का गुप्ता विवाह संस्थान मुख्यालय में सामूहिक विवाह समारोह होगा जिसमें राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश सहित देश के कई राज्यों के जोड़े एक-दूसरे का हाथ थामेंगे। इनमें एक विवाह समुदाय का जोड़ा भी शामिल है। कई दूल्हा-दुल्हन जन्मजात व बिना किसी दुर्घटना की वजह से निःशक्ता का दंश झेल रहे हैं तो कुछ ने एक भावी जीवन साथी का चयन है। सुबह आचार्य के मार्गदर्शन में विवाह की रस्में संत समुदाय की मौजूदगी व धर्म माता-पिता के आशीर्वाद के बीच संपन्न होंगे। सुबह 10 बजे तोरण और भामाशा की रस्में संपन्न होंगी।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

आप बीती

कुछ जोड़े ऐसे भी

दिनेश- आशा

दिनेश पैरों से जन्मजात विकलांग है। उनकी संगिनी बनी है आशा है। घर में हुए एक हादसे में उसका शरीर 70 फीसदी झुलस गया। दोनों हाथ बेकार हो गए। नारायण सेवा संस्थान से कम्प्यूटर कोर्स के दौरान दिनेश को आशा मिली, तो एक सहज जुड़ाव बन गया और अब यह जुड़ाव शादी में बदल गया।

धीरज- कविता

जीवन के शुरूआती दौर में पोलियो के शिकार हुए धीरज के लिए हर दिन एक संघर्ष था। अलग कहीं, कविता नाम की एक लडकी भी ऐसे ही दौर में जी रही थी। जीवन की कठिनाइयों से जूझते हुए उनके चेहरे पर सच्ची खुशी तब आई जब वे इलाज के दौरान एक-दूसरे से नारायण सेवा संस्थान में मिले और एक-दूसरे के जीवन साथी बन गए।

लालचंद - रीना

रीना जावर (उदयपुर के पास) से है, और लालचंद ग्राम खजुरी से है। दोनों के साथ नियति ने क्रूर खेल खेला और छोटी उम्र में ही दोनों के एक पांव में अक्षमता आ गई। नारायण सेवा संस्थान में परिजनों ने दोनों का इलाज कराया और इसी दौरान दोनों एक-दूसरे के करीब आए। अब दोनों अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं। दोनों शादी के बंधन में बधें।

केरल त्रासदी

बाढ़ पीड़ितों में नारायण सेवा

10 लाख की सामग्री का वितरण

केरल में भयंकर बाढ़ और भूस्खलन से पीड़ित एवं प्रभावित क्षेत्रों में नारायण सेवा संस्थान की टीम ने 26 से 30 अगस्त तक राहत पहुंचाने का कार्य किया। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल के नेतृत्व में करीब 10 लाख रुपये मूल्य की राहत सामग्री लेकर गए दल ने राज्य सरकार एवं स्वंयसेवी संस्थाओं द्वारा शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित शिविरों में राहत राहत सामग्री का वितरण किया। राहत टीम प्रशासन के सहयोग से नाव द्वारा राहत सामग्री लेकर उन क्षेत्रों में भी गयी जहां लोग पिछले कई दिनों से फसे हुए थे और केरल सरकार, सेना और समाजसेवी संस्थाएं रात-दिन राहत कार्यों में लगी हुई थी। निदेशक वंदना जी ने बताया कि इस शताब्दी की सबसे भयंकर बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित केरल वासियों के लिए संस्थान ने कपड़े, बिस्किट, टोस्ट, मिल्क पाउडर, नमकीन, पानी की बोतल, वेफर्स, दवाएं आदि सामग्री का वितरण किया। उनके अनुसार केरल में पुनर्वास और पुनःनिर्माण की भारी चुनौतियां हैं। बाढ़ विनाशकारी थी। कई लोगों की मौत हो गई, सार्वजनिक और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा। लोगों के घरों में पानी भरा था। कई क्षेत्र ऐसे थे जहां हमें और अन्य राहत दलों को जाने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा। लेकिन वहां के लोगों की हिम्मत और जज्बे को सलाम है, जिन्होंने राहत टीमों से प्राप्त भोजन, पानी ,कपडे, दूध व अन्य सामग्री अपने अन्य पीड़ित भाईयों तक पहुंचाने में मदद की। राहत टीम को कमर तक पानी में उतरना पड़ा जहां लोग मदद की गुहार लगा रहे थे। पानी में सांप और अन्य विषैले जन्तु बड़ी तादाद में थे जिनसे बचना भी था।वहां के भयावह हालातों को शब्दों में बयां करना मुमकिन नहीं है। संस्थान की टीम में वर्षा जैन, गीता एस. कुमार, दिलीप चौहान, फतेहलाल और संस्थान की हैदराबाद शाखा के प्रभारी महेन्द्र रावत व संतोष कुमार शामिल थे।

दीनबन्धु वार्ता एवं सत्संग

संस्थान के लियों का गुड़ा (बड़ी) स्थित सेवा महातीर्थ में 9 से 11 , 11 से 13 , 21 से 23 , 24 से 26 व 27 से 30 अगस्त 2018 व 9 से 11 सितम्बर 2018 को पूज्य गुरुदेव श्री कैलाश जी 'मानव'व ने 'श्रीराम- कृष्ण अवतार कथा'एवं संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने दीनबन्धु वार्ता में देश के विभिन्न भागों से निशुल्क पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए संस्थान में आने वाले दिव्यांग भाई-बहिन एवं उनके परिजनों से अपने विचार साझा किये। 'संस्कार', 'आस्था'व'सत्संग' चैनलों पर देश भर में प्रसारित उनके विचारों को यहां संक्षिप्त रुप से प्रस्तुत किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन श्री महिम जैन एवं श्री ओमपाल सीलन ने किया।

आत्मतत्व को जाने, वही परमात्मा

श्रीराम और और श्री कृष्ण का चरित्र मर्यादा पूर्ण जीवन यापन और विकारों पर विजय का अनुपम उदाहरण है। जो व्यक्ति औरों के लिए जीता और उनके दर्द को अपना मानते हुए निस्तारण में सहयोगी बनता है, वही सही रूप में सच्चा प्रभु आराधक है। हम अपनी इच्छानुसार भगवान से, संत से, गुरु से अपना नाता जोड़ते हैं और जिस रूप में उनसे नाता जोड़ते हैं वे उसी रूप में हमारे पास होते हैं। एक त्याग बुद्धि से किया हुआ होता है और एक मन व हृदय से किया जाता है। बुद्धि से किए गए त्याग में वस्तु के प्रति हमेशा स्मृति बनी रहती है जबकि हृदय से किए गए त्याग में विस्मृति आ जाती है।

हृदय से किए गए त्याग में केवल स्नेह, प्रेम के अलावा कुछ नहीं होता क्योंकि वह सब कुछ भूलकर केवल परम सत्य परमात्मा के चरणों के लिए होता है। जो प्रभु भक्त आत्मतत्व को जान जाता है वह परमात्मा को भी सहज रूप में जान लेता है। माया, मोह, क्रोध, लोभ आदि हमारी मानसिक रूग्णता के ही परिचायक हैं। इनसे बाहर निकलने के लिए इच्छाओं और कामनाओं का त्याग करना होगा। जीवन की सार्थकता भी इसी में है। मनुष्य के जीवन में मोह हंसाता है तो रुलाता भी है। हम हमारी जिंदगी में कई चीजें प्राप्त करके सुखी हो जाते हैं। किन्तु जब अपनी लोकप्रिय चीजें हमसे दूर हो जाती हैं तो मनुष्य दुखी हो जाता है। ईश्वर की बनाई सबसे सुन्दर कृति मानव है। मनुष्य को हमेशा ऐसे कर्म करने चाहिए कि दुनिया याद करे। जीवन में मोह का मिट जाना ही मोक्ष है।

पू. कैलाश जी 'मानव'

कर्म से हासिल होती है महानता

वे व्यक्ति हमेशा प्रसन्न रहते हैं, जो किसी भी कार्य को करने से पूर्व उसकी क्रिया, प्रतिक्रिया और परिणामों पर अच्छी तरह से विचार कर लेते हैं। कुछ पाने के लिए खोना भी पड़ता है, लेकिन अच्छा पाने के लिए हमेशा अच्छा ही करने का भाव मन में रहना चाहिए। हर व्यक्ति जीवन में प्रसन्न रहना चाहिए। अपनी वजह से किसी और व्यक्ति के जीवन में दुःख नही आना चाहिए। अपनी वजह से दूसरों को खुश रखने में ही जीवन की सार्थकता है। जीवन में रिश्तों को महत्व दें। रिश्तों को महत्व देते हुए परिवार को साथ लेकर चलने में ही आनंद है। भगवान की प्राप्ति का प्रार्थना ही सबसे सरल मार्ग है। प्रार्थना भगवान की हो या गुरु की, इससे जीवन में विनम्रता आती है। जब विनम्रता आएगी तो कठोरता अपने आप चली जाएगी। हर मनुष्य की आत्मा में परमात्मा का वास है। आप किसी के साथ दो शब्द मीठे बोलकर देखो तो वह आपका सम्मान करने लग जायेगा। मनुष्य के जीवन में दुखों की बाढ़ है। यदि आपने किसी दुखी व्यक्ति के जीवन में आशा की किरण ला दी तो आपको भगवान के दर्शन किसी न किसी रुप में अवश्य होंगे। मनुष्य अपने कर्मों से ही महान बनता है। जो जैसा कर्म करता है उसी के अनुरूप परमात्मा उसे फल देते हैं। मनुष्य माया मोह में फंसा रहता है। अज्ञानता वश उसे धन दौलत अर्जित करने के बाद भी उस सुख की प्राप्ति नहीं हो पाती है जो एक गरीब भक्त परमात्मा की निस्वार्थ भक्ति कर प्राप्त कर लेता है। सच्चा सुख ईश्वर की भक्ति में ही समाया हुआ है। मरने के बाद हर अमीर की धन दौलत यहीं रह जाती है।

'सेवक' प्रशान्त भैया

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

संस्थावलोकन

जजों ने देखी नारायण सेवा

देहली ज्यूडिशियल एकेडमी के तत्वावधान में दिल्ली उच्च न्यायालय के निदेशक न्यायमूर्ति लक्ष्मीकांत गौड़ के नेतृत्व में 7 सितम्बर को आए जजों ने संस्थान के सेवा महातीर्थ के पोलियो हॉस्पीटल में जन्मजात पोलियो ग्रस्त बच्चों के चिकित्सा शिविर के उद्घाटन पश्चात विभिन्न निःशुल्क सेवा प्रकल्पों का अवलोकन किया। उन्होंने निःशुल्क ऑपरेशन से स्वस्थ हुए बच्चों व किशोर-किशोरियों से कुशलक्षेम पूछी तथा दिव्यांगों के लिए निशुल्क चलाए जा रहे मोबाइल सुधार, सिलाई, कम्प्यूटर आदि रोजगारपरक प्रशिक्षण केन्द्रों को भी देखा। इससे पूर्व संस्थान के वरिष्ठ साधक राकेश शर्मा व विक्रम सालवी ने उनका स्वागत किया।संस्थान की ओर से आयोजित अभिनन्दन समारोह में न्यायमूर्ति लक्ष्मीकांत गौड़ ने कहा कि जितना हमसे बन सके उतना सेवा कार्य अवश्य करना चाहिए। उन्होंने संस्थापक-चेयरमैन पूज्य श्री कैलाश जी मानव की पीड़ित मानवता के प्रति समर्पित सेवाओं की सराहना की। प्रसिद्ध भजन गायक लहरुदास वैष्णव, राजस्थानी फिल्मों के अभिनेता हरिश चौधरी व गायक हरिश वैष्णव ने भी पिछले दिनों जन्मजात पोलियो ग्रस्त बच्चों के निःशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। उन्होने कहा दूसरों की सेवा और प्रभु के स्मरण से ही जीवन सार्थक हो सकता है।

सम्मान

समाज के शिल्पी शिक्षक

संस्थान के मानव मन्दिर में 5 सितम्बर को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन् का जन्म दिवस शिक्षक दिवस के रूप में हर्षोल्लास से मनाया गया। मुख्य अतिथि संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना अग्रवाल थीं। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बताते हुए शिक्षकों से आग्रह किया कि संस्कार और सद्भाव को शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग बनाएं। कार्यक्रम में संस्थान के मीडिया प्रभारी विष्णु शर्मा हितैषी ने शिक्षक को बेहतर समाज की रचना का शिल्पी बताया। नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के प्राचार्य शेखर वैष्णव ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में भगवान महावीर आवासीय विद्यालय के 14, नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के 10 व सेवा परमो धर्म के 3 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। संचालन सुश्री वर्षा जैन व श्रीमती जया भल्ला ने किया।

'महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान' से संस्थान सम्मानित

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सामाजिक सद्भाव एवं सामाजिक समरसता के क्षेत्र में श्रेष्ठतम उपलब्धियों के लिए नारायण सेवा संस्थान, को 'महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान 2016-17' प्रदान किया गया। भोपाल के रवीन्द्र भवन में देश के 72 वें स्वाधीनता दिवस पर 15 अगस्त को संस्थान की भोपाल शाखा के संयोजक विष्णुशरण सक्सेना ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह जी चौहान से ग्रहण किया। सम्मान पट्टिका व प्रशस्ति पत्र के साथ दो लाख रूपए की सम्मान निधि प्रदान की गई।

विविधा

श्रद्धा से मनाई जन्माष्टमी

संस्थान के सेक्टर-4 स्थित मानव मन्दिर परिसर में 3 सितम्बर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पूर्ण भक्ति भाव एवं श्रद्धा से मनायी गई। मुख्य अतिथि संस्थापक-चैयरमैन पद्मश्री कैलाश जी 'मानव' एवं विशिष्ट अतिथि सह संस्थापिका श्रीमती कमला देवी जी अग्रवाल, पार्षद लवदेव जी बागड़ी, पुलिस थाना प्रभारी श्री राजेश जी यादव व निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल थी।परिसर में श्रीकृष्ण के जन्म एवं लीला प्रसंगों की विभिन्न झांकियां सजाई गई। जिन्हें सेक्टर 3, 4, 5 व 6 के रहवासियों ने देखा और आयोजित सांस्कृतिक संध्या का आनन्द लिया। जिसमें दिल्ली के कलाकारों ने राम दरबार, काली माँ नृत्य, शिव ताण्डव, रास नृत्य एवं राधा-कृष्ण फूल होली की प्रस्तुतियां थी। कार्यं म की शुरुआत गणेश स्तुति से की गई। संयोजन महिम जैन ने किया। कार्यक्रम का समापन रात्रि 'दही हांडी फोड़' स्पर्द्धा से हुआ।

विवेक पार्क में पौधारोपण

विवेक पार्क विकास समिति की ओर से हिरण मगरी सेक्टर-03 स्थित विवेक पार्क में 30 अगस्त को मुख्य अतिथि नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक पूज्य श्री कैलाश जी मानव के सानिध्य में पौधारोपण किया गया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग जैसी विनाशकारी समस्या से निजात पाने के लिए पर्यावरण संतुलन आवश्यक है और उसके लिए जंगलों व वनस्पतियों को बचाने, व्यापक स्तर पर पेड़ लगाने तथा उनके संरक्षण की जरुरत है। विशिष्ट अतिथि विवेक पार्क विकास समिति के अध्यक्ष श्री गौरीशंकर आमेटा, श्री सचिव डॉ दिलखुश सेठ, श्री देवराज शर्मा, श्री पंकज शर्मा, सुरेश मेहता, श्री सुरेश कावडिया, श्री सम्पत राव, श्री तेजसिंह चौधरी, श्री रमेश पटेल, श्री कैलाश गदिया, श्री प्रकाश व्यास, श्री एन. के नेवटिया व श्री मीठालाल चौहान आदि ने भी विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए।

दिव्यांग बच्चों के साथ रक्षा बंधन

सेवामहातीर्थ में दिव्यांग एवं निराश्रित बालक - बालिकाओं ने संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल व निदेशक वंदना अग्रवाल के साथ रक्षाबंधन पर्व उत्साह से मनाया। देश के विभिन्न प्रान्तों से जन्मजात पोलियो केरेक्टिव सर्जरी के लिए आए बच्चों,उनके परिजनों व संस्थान में आवासित निराश्रित व निर्धन बच्चों ने परस्पर एक दूसरे को राखी बांध कर मुंह मीठा कराया। घर परिवार जैसी खुशी देने के लिए संस्थान ने यह आयोजन परम्परागत ढंग एवं पूर्ण उत्साह से किया। इस मौके पर ललितपुर (उ.प्र) निवासी दिव्यांग बैजनाथ (40) अपनी कलई पर राखी बंधवाते हुए भावुक हो उठा और उसकी आंखों में आंसू छलछला आए। इनकी एक बहिन की कुछ ही दिनों पूर्व कुंए में डूबने से मौत हो गई थी। सुश्री पलक अग्रवाल ने सभी दिव्यांग भाई - बहिनों को राखी बांधी।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

सेवा शिविर

भारत भर में असहायों को सहायता

बड़वानी में 44 बच्चों की जांच

जिला चिकित्सालय के बड़वानी (म.प्र) में जन्मजात आड़े-तिरछे पैरों से पीड़ित बच्चों के निशुल्क ऑपरेशन हेतु चयन शिविर 30 अगस्त 2018 को सम्पन्न हुआ। चिकित्सक डॉ. तपेश पी. बेहरा एवं उनकी टीम ने शिविर में आए 44 बच्चों की जांच की जिनमें से 28 बच्चों का क्लब फुट विकृति सुधार ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रभारी डॉ. प्रमोद जी गुप्ता ने कहा कि बच्चों में इस विकृति की समय पर पहचान होने से इसका उपचार संभव है और बच्चें सामान्य रुप से चल सकते हैं। शिविर के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम प्रभारी डॉ. प्रमोद जी गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि समाज कल्याण प्रभारी श्री देवेन्द्र जी पंडित, आर. बी. एस. के जिला समन्वयक श्री राधेश्याम थे। संचालन शिविर प्रभारी हरि प्रसाद लढ्ढा ने किया।

क्लब फुट विकृति सुधार कैम्प

संस्थान के तत्वावधान में 29 अगस्त को जिला चिकित्सालय ट्रोमा सेन्टर धार (म.प्र) में जिला प्रशासन व आर.बी.एस.के की ओर से जन्मजात आडे-तिरछे पैरों से पीड़ित बच्चों के निशुल्क ऑपरेशन हेतु चयन शिविर सम्पन्न हुआ। संस्थान के चिकित्सक डॉ पंकज कुमार ने शिविर मे आए 30 बच्चों की जांच की जिनमें से14 का क्लब फुट विकृति सुधार ऑपरेशन के लिए चयन किया गया। शिविर में विशिष्ट अतिथि आरएमओ डॉ. संजय जोशी व आरबीएसके जिला समन्वयक श्री एम.बुन्देला उपस्थित थे। संचालन श्री हरिप्रसाद लढ्ढा ने किया।

103 दिव्यांगों का चयन

संस्थान द्वारा महाराष्ट्र के हिंगोली जिले के सेनगांव में 17 अगस्त को विशाल निशुल्क जन्मजात पोलियो सर्जरी चयन सहायक उपकरण वितरण एवं कृत्रिम अंग नाप शिविर आयोजित किया गया। तोषनीवाल कॉलेज में आयोजित शिविर में कुल 357 दिव्यांगों का पंजीयन हुआ जिनमें से डॉ बी आर शिंदे ने 103 का ऑपरेशन के लिए चयन किया। डॉ सुदीप की टीम ने 36 दिव्यांगों के कृत्रिम अंग बनाने के लिए नाप लिए। शिविर के मुख्य अतिथि जिला कलक्टर श्री अनिल भंडारी तथा विशिष्ट अतिथि श्री अशोक सोनी,श्री चोरमारे जी, श्री रामाराव वडकुते, श्री संदीप बहिरे, श्री संजय देशमुख, श्रीमती वैशाली पाटील, श्री अप्पासाहब देशमुख, श्री दिनकरराव देशमुख,श्री बाबूराव जाघव एवं शिविर सौजन्यकर्ता श्री ब्रिजगोपाल रामनारायण तोषनीवाल थे। संस्थान की परभणी शाखा की संयोजिका श्रीमती मंजू दर्डा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान के निशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। अतिथियों ने जरुरतमंद दिव्यांगजन को 15 ट्राई साइकल, 5 व्हील चेयर एवं 25 जोड़ी बैसाखी का वितरण किया। संचालन श्री हरि प्रसाद लढ्ढा ने किया।

दिव्यांग सर्जरी चयन शिविर

उत्तरप्रदेश के फतेहपुर जिले के हरिगंज में 11 अगस्त को संस्थान द्वारा आयोजित दिव्यांगजन सहायता शिविर में 40 जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगजन का निःशुल्क सर्जरी के लिए चयन किया गया। अमरमान सिंह पब्लिक स्कूल में स्व. श्री उदयभान सिंह जी की जयंती पर आयोजित इस शिविर में 122 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से ऑपरेशन योग्य का चयन संस्थान के डॉ. बी.आर.शिंदे ने किया। मुख्य अतिथि श्री विवेकमान सिंह तथा विशिष्ट अतिथि श्री रविकांत, श्री साकेतमान सिंह, श्री प्रीतीमान सिंह श्री दिनेश गुप्ता थे।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

कथा ज्ञानयज्ञ

कपासनः नानी बाई रो मायरो

नारायण सेवा संस्थान उदयपुर एवं श्री सुवालाल जी बारेगामा परिवार के संयुक्त तत्वावधान में 30 अगस्त से 1 सितम्बर 2018 तक कपासन, (चितौड़गढ़-राजस्थान) के सामुदायिक भवन बुद्धाखेड़ा, में श्री कृष्ण भक्तिरस में डूबी कथा ''नानी बाई रो मायरो'' का आयोजन में सम्पन्न हुआ।

कथाव्यास पूज्या दीदी श्री कनकलता जी पाराशर थी। व्यास पीठ व श्रद्धालुओं का स्वागत कथा यजमान श्री सुवालाल जी बारेगामा परिवार ने किया। संस्थान परिवार की ओर से प्रभारी प्रवीण व्यास ने अतिथियों एवं बारेगामा परिवार का स्वागत-अभिनन्दन किया। संचालन आदित्य चौबीसा ने किया।

श्रद्धांजलि

संस्थान ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। संस्थापक पूज्य श्री मानव जी ने कहा कि अटल जी से भेट के क्षणों को जब याद करता हूं रोमांचित हो उठता हूं। विज्ञान भवन में वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप के स्मृति में जारी 'सिक्के' के विमोचन कार्यक्रम में उनसे भेट हुई थी। उन्होंने नारायण सेवा संस्थान में दिव्यांगों की निशुल्क चिकित्सा, पुनर्वास आदि के कार्यो पर प्रसन्नता व्यक्त की। राष्ट्र उनकी सेवाओं को कभी नहीं भूल पाएगा।

दिगम्बर जैन मुनि श्री तरुण सागर जी महाराज के निधन पर भी संस्थान में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संस्थान संस्थापक पूज्य श्री कैलाश जी मानव ने कहा कि वे साधना के शिखर पुरुष और सामाजिक परिवर्तन के पुरोधा थे। उनके निधन से देश के आध्यात्मिक फलक का दैदिप्यमान सितारा लुप्त हो गया है। अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने मुनि श्री के संस्थान में आगमन और संबोधन के प्रसंग का स्मरण करते हुए कहा कि उनके प्रवचनों में सदा प्राणि मात्र का हित केन्द्र में रहता था।

श्रमण संघ के वरिष्ठ प्रवर्तक व शेर-ए-राजस्थान लोकमान्य संत श्री रूपचंद्र जी महाराज के देवलोक गमन पर संस्थान में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। संस्थापक पूज्य श्री कैलाश जी'मानव' व अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वे ओजस्वी और प्रखर व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने गौ सेवा अभियान को गति दी, पशुबलि को रूकवाया तथा अनेक लोगों को मांसाहार न करने का संकल्प दिलाया।

संस्थान के आगामी कार्यक्रम

क्र. सं.	दिनांक	कार्यक्रम का विवरण	समय	स्थान
01	14.10.2018	विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच चयन एवं उपकरण वितरण	प्रातः 9 बजे से	फरीदाबाद (हरियाणा)
02	21.10.2018	विशाल निःशुल्क जन्मजात दिव्यांग एवं चयन तथा अंग विहिन (कट्टे हाथ-पांव) कृत्रिम अंग नाप शिविर	प्रातः 9 बजे से	फरीदाबाद (हरियाणा)
03	23.10.2018	विशाल निःशुल्क जांच चयन शिविर	प्रातः 9 बजे से	शहडोल (महाराष्ट्र)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

नारायण सेवा संस्थान

सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002
फो नम्बर : 0294-6622222, मो. : 09649499999, फेक्स नम्बर : 0294-6661030

फोटो

आपश्री का पूर्ण विवरण

1. दानदाता का नाम :	2.दानदाता की आईडी
3.कम्पनी :	
4.आधार नम्बर :	
5. पूर्ण पता :	6.नया पता :
7. मो. नम्बर : एसटीडी :	वाट्सअप नं. :
8. ई-मेल :	
9. कार्य सर्विस व्यापार	कम्पनी
पद	कम्पनी नाम :

10. पारीवारिक सूची नाम	सम्बन्ध	जन्म दिनांक

11. संस्थान के प्रति आपश्री के सूझाव

सादर निवेदन : कृपया उपरोक्त फॉर्म में **आपश्री का पूर्ण विवरण** भरकर लौटती डाक से भिजवाने का श्रम करावें जिससे संस्थान के डाटाबेस में आप से सम्बन्धित जानकरी पूर्ण हो सके। आपश्री द्वारा संस्थान के सेवा प्रकल्पों में सहयोग देने के लिए बहुत-बहुत आभार.....।

हस्ताक्षर

मान्यवर,

ऐसे स्नेहीजन जो आपके जैसे ही सेवा के भाव रखते हों, ऐसे 5 महानुभावों के पते भिजवावें, जिससे संस्थान के सेवा कार्यों की जानकारी उन पवित्र ह्रदय तक पहुँचाई जा सकें...आपश्री की प्रेरणा से।

नाम : .....

पूर्ण पता : .....

.....

मोबाईल नं. : ..... व्यवसाय : .....

नाम : .....

पूर्ण पता : .....

.....

मोबाईल नं. : ..... व्यवसाय : .....

नाम : .....

पूर्ण पता : .....

.....

मोबाईल नं. : ..... व्यवसाय : .....

नाम : .....

पूर्ण पता : .....

.....

मोबाईल नं. : ..... व्यवसाय : .....

नाम : .....

पूर्ण पता : .....

.....

मोबाईल नं. : ..... व्यवसाय : .....

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

दिव्यांगजन की चिकित्सा में सहायता के लिए आपश्री का हार्दिक आभार

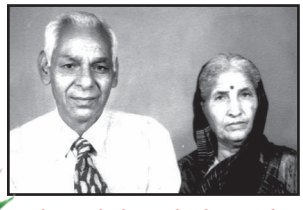

श्री रमापती जी- स्व.श्रीमती नारायणी देवी जी
पोड़ी गढ़वाल

श्री मुरारी लाल गौतम
जयपुर (राज.)

स्व.श्री भूपेन्द्र जी व्यास
सूरत (गुजरात)

श्रीमती मेघा नन्दकुमार जी
दिग्रस (महाराष्ट्र)

श्री गोपी कृष्ण गुप्ता-श्रीमती सरला देवी
कोलकत्ता (वेस्ट बंगाल)

श्री चन्द्र शेखर शर्मा-श्रीमती पुष्पा
अजमेर (राज.)

श्री पूर्ण सिंह जी-श्रीमती शीला देवी
चम्बा (हि.प्र.)

श्री संतोष जी-श्रीमती स्मिता नारलावार
दिग्रस (महाराष्ट्र)

राष्ट्रीय पैरा स्वीमिंग स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स

निर्माण में कृपया करें सहयोग

भारत के प्रतिभाशाली दिव्यांग खिलाड़ियों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं प्रदान की जाएं। इस हेतु संस्थान की ओर से उदयपुर में **10 करोड़ की लागत से राष्ट्रीय पैरा स्वीमिंग स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स** का निर्माण प्रस्तावित है। सभी प्रकार के खेलों में खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कोच के द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस हेतु **27 बीघा , तकरीबन 9 एकड़ जमीन ली जानी है,** जिसके लिए भूदानियों से हमारा सानुरोध निवेदन है। आपश्री **51 हजार रुपए** देकर भूदान का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। आपका शुभनाम शिलालेख पर स्वर्णाक्षरों में लिखा जायेगा। आपश्री अधिक सहयोग कर दिव्यांग बच्चों को ओलम्पिक खेलों के लिए सहयोग करें।

दानदाताओं से विनम्र आग्रह

संस्थान के सहयोगी दानदाता महानुभावों से निवेदन है कि वे अपना ई-मेल एड्रेस व वॉट्सअप नम्बर संस्थान को उपलब्ध कराने की कृपा करें ताकि आपश्री को डोनेशन की रसीद उन पर भेजी जा सके। इसका उद्देश्य पेपरलेस कार्य कर कागज को बचाना है। कागज के निर्माण में पेड़ों को अपनी आहूति देनी होती है। पेपरलेस कार्य से आप और हम वनों को ही नहीं बचाएंगे बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अपना योगदान देंगे।

अपंग, अनाथ, विधवा, वृद्ध एवं वंचितजन की सेवा में सेवारत्

दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं। आपश्री से प्रार्थना है कि सहयोग प्रदान करावें।

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

50 रोगियों की आजीवन भोजन/नाश्ता मित्ती

वर्ष में एक दिन दोनों समय की आजीवन भोजन मित्ती सहयोग राशि	30,000/-
वर्ष में एक दिन एक समय की आजीवन भोजन मित्ती सहयोग राशि	15,000/-
वर्ष में एक दिन की आजीवन नाश्ता मित्ती सहयोग राशि	7,000/-

आजीवन लालन-पालन योजना 1,00,000/-

आप बन सकते हैं किसी अनाथ निर्धन बच्चे के आजीवन पालनहार 1 लाख रूपयों का अनुदान करके। (एक बच्चा 18 वर्ष तक की आयु तक अथवा 18 वर्ष के बाद भी संस्थान के सानिध्य में रह सकेगा)

दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण हेतु सहयोग राशि

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकल	4,500	13,500	22,500	49,500
व्हील चेयर	3,500	10,500	17,500	38,500
केलिपर्स	1,800	5,400	9,000	19,800
वैषाखी	550	1,650	2,750	6,050

निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह हेतु करें-सहयोग	
पूर्ण कन्यादान (प्रति कन्या)	51,000/-
आंशिक कन्यादान (प्रति कन्या)	21,000/-
वर-वधू श्रृंगार पुण्य (प्रति जोड़ा)	11,000/-
भोजन प्रसाद (100 सहयोगी अपेक्षित)	5,100/-
वेदी सहयोग (प्रति वेदी)	2,100/-
मेहन्दी रस्म (प्रति जोड़ा)	2,100/-

कृत्रिम अंग सहयोग राशि	
उपकरण	रूपये
कृत्रिम अंग	10,000/-
प्रति निःशक्त शिविर	
सहयोग राशि	1,51,000/-
राष्ट्रीय पैरा स्वीमिंग स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स निर्माण	
भूदानी सहयोग राशि	51.000/-

कृपया सेवा कक्ष हेतु सहयोग कर आपश्री या परिजनों के शुभनाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित करावें।

क्र.सं.	फ्लोर	कमरा संख्या	कुल वर्ग फीट	सौजन्य राशि
10	द्वितीय फ्लोर	सभाकक्ष	830	3,50,000 (4 सहयोगी अपेक्षित)
11	द्वितीय फ्लोर	बड़ा कमरा	1007	4,00,000 (4 सहयोगी अपेक्षित)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

विविध सेवा प्रकल्प हेतु दान- सहयोग की अपील

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियो ग्रस्त विकलांगों के ऑपरेशन हेतु सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

दवाई सहयोग प्रतिदिन

1 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	1,100/-	51 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	56,100/-
11 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	12,100/-	101 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	1,11,100/-
21 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	23,100/-	501 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	5,51,100/-

आपका यह सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड में जायेगा जिसका उपयोग निःशक्त जनों की सेवा में होगा

आजीवन संरक्षक राशि	51,000/-	आजीवन सदस्य राशि	21,000/-

[भूमि माता]

कृपया सेवाकक्षों हेतु सहयोग कर आपश्री या परिजनों के शुभनाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित करावें ।

क्र.सं.	फ्लोर	कमरा संख्या-नाम	कुल वर्गफीट	सौजन्य राशि (रुपये)	सहयोगी अपेक्षित
1	ग्राउण्ड फ्लोर	1 - अन्नपूर्णा (हॉल)	600	12,00,000	(6 सहयोगी अपेक्षित)
2	ग्राउण्ड फ्लोर	2 - प्रसादालय (रूम)	239	4,80,000	(2 सहयोगी अपेक्षित)
3	ग्राउण्ड फ्लोर	3 - संग्रह कक्ष (रूम)	65	1,30,000	
4	ग्राउण्ड फ्लोर	4 - सेवालय (हॉल)	46	1,00,000	
5	ग्राउण्ड फ्लोर	5 -कर्मस्थली कक्ष (रूम)	45	1,00,000	
6	ग्राउण्ड फ्लोर	6 - महाकक्ष (हॉल)	475	9,50,000	(5 सहयोगी अपेक्षित)
7	ग्राउण्ड फ्लोर	7 - सेवान्मुखी (हॉल)	475	9,50,000	(5 सहयोगी अपेक्षित)
8	ग्राउण्ड फ्लोर	8 - समग्र (हॉल)	100	2,00,000	(आरक्षित)
9	ग्राउण्ड फ्लोर	9 - समर्पण कक्ष (रूम)	111	2,25,000	(आरक्षित)
10	ग्राउण्ड फ्लोर	10 - सत्यपथ कक्ष (रूम)	353	7,10,000	(4 सहयोगी अपेक्षित)
11	ग्राउण्ड फ्लोर	11 - स्वागत सभारंभ (रूम)	353	7,10,000	(4 सहयोगी अपेक्षित)
12	ग्राउण्ड फ्लोर	12 - भक्ति कक्ष (रूम)	57	1,15,000	
13	ग्राउण्ड फ्लोर	13 - आनन्द कक्ष (रूम)	126	2,55,000	
14	ग्राउण्ड फ्लोर	14 - सौभाग्य (हॉल)	24000	4,80,00,000	(240 सहयोगी अपेक्षित)

निःशुल्क सेवा

सर्वसुविधायुक्त अन्तर्राष्ट्रीय गुरूकुल विद्यालय

गरीब, असहाय, निर्धन व वनवासी क्षेत्र के बच्चों के लिए शिक्षा, संस्कार, भोजन व आवास की निःशुल्क व्यवस्था हेतु आपश्री का सहयोग सादर प्रार्थनीय है।

विद्यालय भूतल नक्शा

क्र.सं.	फ्लोर	कमरा नम्बर/नाम	नाप	राशि
01	ग्राउण्ड फ्लोर	1 कमरा	12×22	3,96,000
02	ग्राउण्ड फ्लोर	2 कार्यालय	37.9×22	12,50,700
03	ग्राउण्ड फ्लोर	3 कक्षा	25×22	8,25,000
04	ग्राउण्ड फ्लोर	4 कक्षा	25×22	8,25,000
05	ग्राउण्ड फ्लोर	5 कक्षा	25×22	8,25,000
06	ग्राउण्ड फ्लोर	6 कक्षा	25×22	8,25,000
07	ग्राउण्ड फ्लोर	7 कक्ष	25×55.6	20,85,000
08	ग्राउण्ड फ्लोर	8 कक्ष	28×22	9,24,000
09	ग्राउण्ड फ्लोर	9 रूम	37.9×22	12,50,700
10	ग्राउण्ड फ्लोर	10 स्वागत क्षेत्र	25×22	8,25,000
11	ग्राउण्ड फ्लोर	11 कम्प्यूटर लैब	25×22	8,25,000
12	ग्राउण्ड फ्लोर	12 कक्षा	25×22	8,25,000
13	ग्राउण्ड फ्लोर	13 हॉल	50.9×22	16,79,700
14	ग्राउण्ड फ्लोर	लिफ्ट	×××××	15,00,000

विद्यालय प्रथम मंजिल नक्शा

01	प्रथम फ्लोर	1 कक्षा	25×22	8,25,000
02	प्रथम फ्लोर	2 कक्षा	25×22	8,25,000
03	प्रथम फ्लोर	3 लॉबी	25×22	8,25,000
04	प्रथम फ्लोर	4 कक्षा	25×22	8,25,000
05	प्रथम फ्लोर	5 कक्षा	25×22	8,25,000
06	प्रथम फ्लोर	6 कक्षा	25×22	8,25,000
07	प्रथम फ्लोर	7 कक्षा	25×22	8,25,000
08	प्रथम फ्लोर	8 कक्षा	25×22	8,25,000
09	प्रथम फ्लोर	9 कक्षा	25×32.9	12,33,750
10	प्रथम फ्लोर	10 कक्षा	25×22	8,25,000
11	प्रथम फ्लोर	11 कक्षा	25×22	8,25,000
12	प्रथम फ्लोर	12 कक्षा	25×22	8,25,000
13	प्रथम फ्लोर	13 कक्षा	25×22	8,25,000
14	प्रथम फ्लोर	14 कक्षा	25×22	8,25,000
15	प्रथम फ्लोर	15 कक्षा	25×22	8,25,000

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

छात्रावास भूतल नक्शा

क्र. सं.	ग्राउण्ड फ्लोर	कमरा नम्बर/नाम	नाप	राशि
01	"	1 कक्षा	12×15	2,70,000
02	"	2 कक्षा	12×15	2,70,000
03	"	3 कक्षा	13×15.4	3,00,300
04	"	4 कक्षा	13×15.4	2,70,000
05	"	5 कक्षा	15×12	2,70,000
06	"	6 कक्षा	15×12	2,70,000
07	"	7 कक्षा	15×12	2,70,000
08	"	8 कक्षा	15×12	2,70,000
09	"	9 कक्षा	15×12	2,70,000
10	"	10 कक्षा	15×12	2,70,000
11	"	11 कक्ष	40.4×12.4	7,51,440
12	"	12 कक्ष	52×36.8	28,70,400
13	"	13 रसोई	25.4×17	6,47,700
14	"	14 कक्ष	13×10	1,95,000

जरूरतमंद व्यक्तियों की सेवा ही ईश्वरीय सेवा है।

छात्रावास प्रथम मंजिल नक्शा

क्र. सं.	प्रथम मंजिल	कमरा नम्बर/नाम	नाप	राशि
01	"	1 कमरा	25×22	2,70,000
02	"	2 कमरा	25×22	2,70,000
03	"	3 कमरा	25×22	2,70,000
04	"	4 कमरा	25×22	2,70,000
05	"	5 कमरा	25×22	2,70,000
06	"	6 कमरा	25×22	2,70,000
07	"	7 कमरा	25×22	2,70,000
08	"	8 कमरा	25×22	2,70,000
09	"	9 कमरा	25×22	2,70,000
10	"	10 कमरा	25×22	2,70,000
11	"	11 कमरा	25×22	2,70,000
12	"	12 कमरा	25×22	2,70,000
13	"	13 कमरा	25×22	2,70,000
14	"	14 कमरा	25×22	2,70,000
15		15 कमरा	25×22	2,70,000
16		16 कमरा	25×22	2,70,000
17		17 कमरा	25×22	2,70,000
18		18 कमरा	25×22	2,70,000
19		19 हॉल	40.4×21.4	12,96,840

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

आगरा (उ.प्र.)
श्री सुरेश कुमार जी,मो. 09837371298
बी-41, बालाजी पुरम, अलबतियाँ रोड़,
शाहगंज, पो.-भोगीपुरा, आगरा (उ.प्र.)

काठमाण्डू,नेपाल
श्री संदीप माखरिया, 09779851021098

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09430175837
अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़
सदर थाना गली,हजारीबाग (झारखण्ड)

मथुरा
श्री दिनेश चन्द्र वर्मा,मो. 07417707675
927 एफ, गोविन्दनगर, अंगीरा धर्मशाला
के सामने,मथुरा

खरसिया
श्री बजरंग बंसल,मो.-09329817446
शान्ति ड्रेसेज, नियर चन्दन तालाब
शनि मन्दिर के पास,खरसिया (छ.ग.)

चण्डीगढ़
श्री ओमप्रकाश गौतम मो. 9316286419
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

नांदेड (सेवा प्रेरक)
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी,
किनवट, जिला - नांदेड, महाराष्ट्र

देहरादून
श्री मुकेश जोशी,मधुर विहार,
फेज-2, बंजारावाला रोड़,बंगाली कोठी
के पास, देहरादून-248001

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो.-09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपार्टमेंट शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

राजकोट
श्री तरूण नागदा, मो. 09529920083
भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी
चौक शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लोक नं.
15/2 युनीवसीटी रोड़,राजकोट (गुजरात)

जयपुर,चौगान स्टे.
श्री मनीष कुमार खण्डेलवाल
मो. 8696002432, बी-16
गोविन्ददेव कॉलोनी, चौगान स्टेडियम
के पीछे,गणगौरी बाजार,जयपुर (राज.)

जालना (महाराष्ट्र)
श्रीमती विजया भूतड़ा,मो. 02482-233733

बिलासपुर (छ.ग.)
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009

महोबा शाखा
श्रीमान राम आसरे-मो.-9935232257
सिन्धी कॉलोनी, गाँधीनगर-महोबा (उ.प्र.)

जुलाना मण्डी
शाह श्रीराम निवास जिन्दल,
शाह श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878
108, जुलाना मण्डी, जीन्द (हरियाणा)

धनबाद(झारखण्ड)
श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द
पो.-गोसई बालिया,जिला-हजारीबाग

परभणी (महाराष्ट्र)
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

पाचोरा (महाराष्ट्र)
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

शाहदरा शाखा
श्रीमान विशाल जी अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा,ईस्ट दिल्ली

बालोतरा (राज.)
श्री चेतनप्रकाश गोयल/9460666142

नागपुर
श्री हेमन्त मेघवाल,मो. 09529920092
पी.एन. 37, गोराले लेआउट, बस स्टेण्ड
के पास, गोपाल नगर,नागपुर
(महाराष्ट्र)

पाली/जोधपुर
श्री कान्तिलाल मूथा,मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़ (राज.)

मुम्बई
श्री कमलचन्द लोढ़ा,मो. 08080083655
दुकान नं.660, आर्किडसिटी सेन्टर,द्वितीय
मंजिल, बेस्ट डिपो के पास, बेलासिस
रोड़, मुम्बई सेन्ट्रल (ईस्ट) 400008

मथुरा
श्री दिलीप जी वर्मा,मो. 08899366480
09027026890,1, द्वारिकापुरी,कंकाली

सिरसा, हरियाणा
श्री सतीश जी मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा, हरि.

मुम्बई
श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, वी.पी.एस. रोड़,
क्रोस रोड़ नम्बर-2,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराव
पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

मुम्बई (कान्दिवली)
श्री चिमनभाई मेहता,मो. 09930356227
56/58 जनसुख अपार्टमेन्ट,कस्तूरबा रोड़
मुम्बई कान्दिवली (प.) 400067

नरवाना(हरियाणा)
श्री धर्मपाल गर्ग,मो.-09466442702,
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग मो.-9728941014
165-हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी नरवाना,जीन्द

कोलकाता
श्री नारायण सिंह मो. 09529920097,
म.न.-226, ए ब्लोक, ग्राउण्ड फ्लोर,
लेक टाऊन कोलकाता-700089

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

आकोला
श्रीमान हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला (महाराष्ट्र)

आगरा शाखा
श्रीमान ओम प्रकाश जी अग्रवाल
मो.नं. -9897068974,64ए ओल्ड
विजयनगर कॉलोनी,आगरा (उ.प्र.)

गुरुग्राम
श्री गणपत रावल,मो.-09529920084
973/3 गली न. 3 राजीव नगर ईस्ट,
राज टेलर के सामने,गुरूग्राम (हरियाणा)

हापुर (उ.प्र.)
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुर

हाथरस (उ.प्र.)
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

पूणे
श्री सुरेन्द्रसिंह झाला,मो. 09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

कैथल
श्री सतपाल मंगला,मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सुमेरपुर (राज.)
श्री गणेश मल विश्वकर्मा,मो. 09549503282

मुम्बई
श्री ललित लौहार,मो. 9529920088
श्री मुकेश सैन,मो.- 09529920090
श्री जमना शंकर,मो.-09529920089
श्री आनन्द सिंह,मो. 07073452174
एफ 1/3,हरि निकेतन सोसायटी,
सीएचएस लि.,अपोजिट बसन्त1
गैलेक्सी,गौरेगांव वेस्ट, मुम्बई

दीपका, कोरबा (छ.ग.)
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा,मो.-09024749075,के.वी.
पब्लिक स्कूल, 35 लादिया,बाग अलवर (राज.)

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

रायपुर
श्री भरत पालीवाल,मो. 7869916950
मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी
टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

अम्बाला
श्री भंवर सिंह राठौड़,मो. 7023101160
सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड
कोलोनी अरबन स्टेट के पास,
सेक्टर-7 अम्बाला (हरियाणा)

रोहिणी
श्री माणक सोलंकी मो.-08588835717
श्री वेद प्रकाश शर्मा मो.-08588835719
श्री प्रवंजन साहु मो.-08588835718
सी-7/232, सेक्टर-8,स्वीमिंग पूल
के पास, रोहिणी, दिल्ली-85

गाजियाबाद
श्री भंवर सिंह राठौड़ मो. 08588835716
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद (उ.प्र.)

मोदीनगर, यू.पी.
भानू तंवर,
एस.आर.एम. कॉलेज के सामने,
मॉर्डन एकेडमी स्कूल के पास,मोदीनगर

बड़ौदा
श्री जितेश व्यास
मो. 09529920081
म.नं.-बी-13 बी, एस.टी. सोसायटी,
टीबी हॉस्पीटल के पीछे,
गोत्री रोड, बड़ौदा - 390021

शाहदरा, दिल्ली
डॉ. राजीव मिश्रा,बी-85, ज्योति कॉलोनी,
दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

मथुरा
श्री नवनीत सिंह पंवार,मो.-7023101163
157-डी, कृष्णा नगर, मथुरा (उ.प्र.)

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग
मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर
पद्मा मॉल के सामने, करनाल रोड़, कैथल

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र, नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, नारायण कृत्रिम अंग निर्माण एवं केलिपर सृजन वर्कशॉप

अहमदाबाद
श्री कैलाश चौधरी, मो. 09529920080
सी-5, कौशल अपार्टमेन्ट,
शाहीबाग अण्डर ब्रीज के नीचे,
शाहीबाग, अहमदाबाद (गुजरात)

3/28, गुजरात हाऊसिंग सोसायटी
नियर बापू नगर पुलिस स्टेशन
अहमदाबाद (गुजरात)

हैदराबाद
श्री महेन्द्रसिंह रावत, 09573938038
4-7-123, लीलावती भवन संतोषी
माता मंदिर के पास
इसामिया, बाजार, हैदराबाद

बैंगलोर
श्री खुबीलाल मेनारिया, मो.: 09341200200
म.नं.-507/4, (129-2)
न्यू डायगोनल रोड़, भीमा ज्वेलर्स के पीछे
3-ब्लॉक, जयानगर, बैंगलूरू

लोनी
श्री धर्मेश गर्ग, 72 शिव विहार,
चिरोड़ी रोड, लोनी, गाजियाबाद (यू.पी.)

जयपुर
श्री विक्रम सिंह चौहान, मो. 9928027946
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी
हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर
बी-50-51 सनराईज सिटी, मोक्ष मार्ग
निवारू, झोटवाड़ा, जयपुर

सूरत
श्री अचल सिंह, मो. 09529920082,
27, सम्राट टाऊन शीप, सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया

2/865 हीरा मोदी गली
सगरामपुरा, सब जेल के सामने
रिंग रोड, सूरत

अलीगढ़
श्री योगेश निगम, मो. 7023101169
एम.आई.जी. -48, विकास नगर
आगरा रोड़, अलीगढ़ (यू.पी)

वाराणसी
श्री रमेश चन्द्र लालवानी मो. 09415228263
सी-19, भुवनेश्वर नगर कॉलोनी
वाराणसी (उ.प्र.)

फतेहपुरी, दिल्ली
श्री जतनसिंह भाटी, मो.- 8588835711
09999175555, कटरा बरियान,
अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी, दिल्ली-6

हाथरस
श्री जे.पी. अग्रवाल, मो. 09453045748
एलआईसी बिल्डींग के नीचे, अलीगढ़
रोड, हाथरस (यू.पी.)

आगरा
श्री ज्ञान गुर्जर, मो. 7023101174
127, नोर्थ विजय नगर कोलोनी
राधा कृष्ण मन्दिर के पास, पंजाब
नेशनल बैंक के पीछे, आगरा (उ.प्र.)

मानव जी के प्रेरणा पुंज

स्व. आचार्य श्री राम शर्मा एवं
भगवती देवी जी

श्री मानव जी के पूज्य पिताश्री
स्व. श्री मदन लाल जी एवं
मातुश्री सोहिनी देवी जी

संस्थान के सम्बल

स्व. श्री राजमल जी
'एस.' जैन
चेयरमैन, गैरव नेत्र यज्ञ
समिति, बिसलपुर, पाली (राज.)

स्व. डॉ. आर.के. अग्रवाल
विख्यात
कैंसर रोग विषेशज्ञ

स्व. श्री पी.जी. जैन
गौरेगांव/हरियामाली
(सोजत रोड़)

स्व.श्री चैनराज जी लोढा
मुम्बई/घाणेराव
(पाली)

संस्थान के परम
संरक्षक
श्री रमेश भाई चावड़ा
यूके

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी

आपश्री से विनम्र अनुरोध है कि ग्रामीण क्षेत्रों के निर्धन परिवारों के बच्चों को शिक्षा हेतु अपना योगदान प्रदान करें ताकि आपश्री के आशीर्वाद एवं योगदान से ये बच्चे आत्म निर्भर होकर देश के विकास में सम्मान के साथ अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

1. एक बच्चे की शिक्षा हेतु दानराशि (कक्षा के जी से बारहवीं तक 4.5 लाख रूपये)
2. एक कक्षा (20 बच्चों) की शिक्षा हेतु दान राशि 1 वर्ष के लिए 6 लाख रूपये
3. सम्पूर्ण बैच (20 बच्चों) की (केजी से बारहवीं) तक की शिक्षा हेतु दान राशि 90 लाख रूपये
4. एक बच्चे का शिक्षा, भोजन, स्टेशनरी आदि का सम्पूर्ण मासिक खर्च 3000 रूपये
5. एक बच्चे का सम्पूर्ण खर्च 36 हजार रूपये

आपकी अपनी संस्था

दीन-दुःखियों की सेवा में 24 घण्टे सेवारत संस्थान/ट्रस्ट जिसमें निःशुल्क सेवा की जाती है। इस सेवाकार्य में आपश्री का एक सहयोग किसी दीन-दुःखी, दिव्यांग के चेहरे पर अपार खुशियाँ ला सकता है। आज ही जुड़ें इस सेवा कार्य में-मान्यवर।

Sewa Parmo Dharm

MAKE 'GIVING' YOUR HABIT

कृपया मदद करें गम्भीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों की

www.spdtrust.org
info@spdtrust.org

हृदय रोग एवं गम्भीर बीमारियों से पीड़ित मासूमों के लिये करें सहयोग

संख्या	सहयोग राशि
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु प्रारम्भिक सौजन्य	1,25,000
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु आंशिक सौजन्य	31,000
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु दवाईयाँ सौजन्य	21,000

कृपया आपश्री अपना दान-सहयोग चैक/ड्राफ्ट द्वारा **सेवा परमो धर्म** के पक्ष में ट्रस्ट के पते पर भेजने का कष्ट करें अथवा अपना दान-सहयोग ट्रस्ट के

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
2973000100078348
(IFSC CODE-PUNB0297300)

ICICI Bank
693501700358
(IFSC CODE-ICIC0006935)

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India
661510110002880
(IFSC CODE-BKID0006615)

AXIS BANK
910010039986608
(IFSC CODE-UTIB0000097)

SBI
36114271342
(IFSC CODE : SBIN0011406)

में सीधे जमा करवाकर पे इन स्लीप भेजकर सूचित करने की कृपा करावें।

आपश्री गम्भीर बीमारियों से ग्रस्त रोगी भाई-बन्धु को नया जीवन देना चाहते हैं तो उसके सम्पूर्ण शल्य चिकित्सा खर्च के लिए संस्थान के निम्न नम्बरों पर सम्पर्क करें-

सम्पर्क सूत्र 0294-6655555 **फैक्स** 0294-6661052

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करूणा-सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

मैं (नाम) .....सहयोग मद .....

उपलक्ष्य में/स्मृति मे .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रूपये .....का चेक नं./डी.डी. नं./एम.ओ./पे-इन स्लीप ..... दिनांक .....से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता हूँ/करती हूँ।

पूर्ण पता .....

.....

.....

.....

जिला .....पिन कोड .....राज्य .....

मो. नं. .....वाट्सअप नं. ..... ई-मेल .....

नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान-सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	BranchAddress	RTGS/NEFTCode	Account
Allahabad Bank	3,BapuBazar	ALLA0210281	50025064419
AXIS Bank	Uit Circle	UTIB0000097	097010100177030
Bank of India	H.M.Sector-5	BKID0006615	661510100003422
Bank of Baroda	H.M, Udaipur	BARBOHIRANM	30250100000721
BANK OF MAHARASHTRA	Arihant Complex Plot No. 16, Thoran Banwre City Station Marg, Udaipur	MAHB0000831	60195864584
Canara Bank	Madhuban	CNRB0000169	0169101057571
CENTRAL BANK OF INDIA	UDAIPUR	CBIN0283505	00000001779800301
HDFC	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
IDBI Bank	16SaheliMarg	IBKL0000050	050104000157292
Kotak Mahindra Bank	8-C, Madhuban	KKBK0000272	0311301094
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
VIJAYA BANK	Gupteshwar Road Titardi	VIJB0007034	703401011000095
YesBank	Goverdhan Plaza	YESB0000049	004994600000102

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

नारायण सेवा संस्थान

'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

विभिन्न चैनलों पर संस्थान के सेवा कार्य

भारत में संचालित

- **आस्था** 9.00 am- 9.20 am, 7.40 pm- 7.55 pm
- **संस्कार** 7.50 pm- 8.10 pm
- **आस्था** 7.40 am- 8.00 am
- **जी.टी.वी.** 5.00 am- 6.00 am
- **पारस टी.वी.** 4.20 pm- 4.38 pm
- **अरिहन्त** 7.30 pm- 7.50 pm
- **(सत्संग)** 7.10 pm- 7.30 pm

विदेश में संचालित (हिन्दी)

- **संस्कार** 7.40 pm- 8.00 pm
- **आस्था (यू.के/यू.एस.ए.)** 8.30 am- 8.45 am
- **जी.टी.वी.** 8.30 am- 8.45 am
- **एम.ए.टी.वी. (यू.के)** 8.30 am- 8.45 am

विदेश में संचालित (अंग्रेजी)

- **JUS PUNJABI** 4.30 pm-4.40 pm (Sat-Sun only)
- **APAC** 8.30 am -9.00 am
- **SOUTH AFRICA** 8.00 am -8.30 am (CAT)
- **UK** 8.30 am - 9.00 am
- **USA** 7.30 am - 8.00 am (ET)
- **MIDDLE EAST** 8.30 am -9.00 am (UAE)

Seva Soubhagya 1 October, 2018 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2017-2019. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 36 (No. of copies printed 3,50,000) cost- Rs.5/-

कुम्भ महापर्व-2019

51 दिवसीय विशाल सेवा, भक्ति, ज्ञान एवं अध्यात्म यज्ञ शिविर

दिनांक - 7 जनवरी से 5 मार्च, 2019 **समारोह स्थल : कुंभ प्रांगण इलाहाबाद (उ.प्र.)**

- 15 जनवरी : मकर संक्रांति प्रथम शाही स्नान
- 21 जनवरी : पुष्प पूर्णिमा
- 4 फरवरी : मौनी अमावस्या द्वितीय शाही स्नान
- 10 फरवरी : बसंत पंचमी तृतीय शाही स्नान
- 19 फरवरी : माघी पूर्णिमा
- 4 मार्च : महा शिवरात्रि

आपश्री की सेवामें

- भोजन सहयोग (एक समय) : 2100/- प्रतिदिन
- 6 या 4 व्यक्ति सामूहिक आवास : 2100/-प्रतिदिन
- आवास व्यवस्था (सेपरेट) : 1500/- प्रति रुम
- डोरमेट्री : 500/- प्रतिदिन

रोगी भोजन सहयोग

- 50 रोगी प्रतिदिन-दोनों समयः- 22,000/-
- 50 रोगी प्रतिदिन-एक समयः- 11,000/-

बने यजमान

- कथा मुख्य यजमानः-1,51,000/-
- प्रसादी वितरण प्रतिदिनः- 51,000/- (भण्डारा)
- नाश्ता सहयोगः- 5,100/-
- भोजन प्रसाद यजमानः- 11000/- (एक समय)
- प्रतिदिन आरती यजमानः- 5,100/-
- व्यास पूजन यजमान प्रतिदिनः- 2,100/-

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :
0294-6622222